दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K&K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-105 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 31 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

दिल्ली में पाकिस्तानी आईएसआई से जुड़े दाऊद इब्राहिम के 9 गुर्गे गिरफ्तार, हमले की योजना नाकाम

नईदिल्ली(आरएनएस)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने शनिवार को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) से संबंध रखने वाले 9 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी मुंबई के भगोड़े अंडरवर्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़े हैं। इनको दिल्ली में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और सुरक्षाकर्मियों पर हमला करने का काम सौंपा गया था। पुलिस ने इनके पास से हथियार और पाकिस्तान से भेजा गया विस्फोटक बरामद किया है। गिरफ्तार किए गए संदिग्ध दिल्ली, मुंबई, पंजाब समेत विदेश से हैं।

दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें खुफिया जानकारी मिली थी, जिसके बाद इन्हें अलग-अलग इलाकों से गिरफ्तार किया गया है। इनकी दिल्ली समेत अन्य शहरों के बड़े

पावर प्लांट, न्यूक्लियर प्लांट, बिजली घर, हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशनों को निशाना बनाने की साजिश थी। पुलिस ने बताया कि विदेशों से संचालित आतंकी सरगना भारत में अपने गुर्गों की भर्ती, उन्हें कट्टरपंथी बनाने के लिए एन्क्रिप्टेड ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और स्थानीय स्लीपर नेटवर्क का उपयोग कर रहे हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पकड़े गए आतंकी नेटवर्क का एक हिस्सा दाऊद इब्राहिम और दूसरा हिस्सा पाकिस्तान में बैठे शहजाद भट्टी की ओर से संचालित किया जा रहा था। दिल्ली समेत अन्य शहरों को दहलाने की साजिश का मास्टरमाइंड ISI को बताया जा रहा है। बता दें कि पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा ने जमीनी स्तर पर खुफिया जानकारी जुटाने और उभरते खतरों की पहचान के लिए राजधानी के प्रत्येक पुलिस थाने में समर्पित आतंकवाद विरोधी इकाइयों गठित की है।

राष्ट्रभक्ति और सैन्य गौरव का प्रतीक बन रहा लखनऊ : राजनाथ

लखनऊ,(ए.)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ शनिवार को लखनऊ के सीजी सिटी में नौ करोड़ की लागत से निर्मित नौसेना शौर्य वाटिका का लोकार्पण किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि लखनऊ राष्ट्रभक्ति और सैन्य गौरव का प्रतीक बन रहा है। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा कि नौसेना शौर्य वाटिका लखनऊ के लिए एक प्रेरणा स्थल और लखनऊ की पहचान बनेगा। यह शौर्य वाटिका केवल बनावट का नमूना भर नहीं है यह हमें सेनाओं के संघर्ष और योगदान को स्मरण कराएगी।

सोनारपुर में अभिषेक पर खतरनाक हमला, कपड़े फाड़े

पत्थर-अंडे फेंके, हेलमेट पहनाकर बचाया

कोलकाता, (आरएनएस)। सोनारपुर के कमागाजी में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हमला हुआ है। चुनाव के बाद हिंसा के पीड़ितों से मिलने पहुंचे टीएमसी नेता पर प्रदर्शनकारियों ने कच्चे अंडे फेंके और उनके साथ मारपीट की। स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षाकर्मियों ने मुस्तैदी दिखाई. उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए तुरंत हेलमेट पहनाय गया लेकिन इसके बाद भी उनपर मुक्के से वार किया गया। हालात बिगड़ते देख और सुरक्षा घेरे के बीच वहां से अभिषेक बनर्जी को निकाला गया। इससे पहले अभिषेक पर घूंसे बरसाए और कपड़े तक फाड़ दिए। स्थिति इतनी बेकाबू हो गई कि टीएमसी सांसद को खुद की सुरक्षा के लिए क्रिकेट खेलने वाला हेलमेट पहनना पड़ा। इस दौरान भीड़ की तरफ से उन पर लगातार अंडे और जूते फेंके गए और (चोर-चोर) तथा गो बैक के नारे लगाए गए। आज अभिषेक बनर्जी का कार्यक्रम चुनाव बाद हुई हिंसा में मारे गए कार्यकर्ताओं के परिवारों से मिलने का था। वे कोलकाता के बेलेघाटा होते हुए दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर जा रहे थे। रास्ते में उनके कालीघाट स्थित आवास पर सीआईडी ने उन्हें नोटिस भी थमाया था। सोनारपुर पहुंचने से पहले ही पाटुली के ढलाई ब्रिज से लेकर कमराबाद तक भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय महिलाएं हाथों में काले झंडे और अंडे लेकर खड़ी थीं। भारी विरोध प्रदर्शन और रास्ता ब्लॉक होने के कारण अभिषेक बनर्जी अपनी चार पहिया गाड़ी से उतर गए और एक कार्यकर्ता की मोटरसाइकिल (बाइक) पर सवार होकर आगे बढ़ने लगे। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों ने उनकी बाइक को घेर लिया। जैसे ही अभिषेक बनर्जी बाइक से सोनारपुर के भीतर दाखिल होने की कोशिश कर रहे थे, प्रदर्शनकारियों ने उन पर शारीरिक हमला कर दिया।

प्रदेश में बदला मौसम का मिजाज, आंधी-बारिश से मिली राहत, कई जिलों में गिरे ओले

भोपाल(आरएनएस)। नौतपा की भीषण गर्मी के बीच मध्य प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। प्रदेश के इंदौर, ग्वालियर, भोपाल, उज्जैन, धार, देवास, गुना, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, शाजापुर, सीहोर, रायसेन, शिवपुरी, डिंडौरी, मंदसौर, रतलाम, राजगढ़ सहित 26 से अधिक जिलों में शुक्रवार रात से शनिवार तक आंधी, बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि दर्ज की गई। मौसम में आए इस बदलाव से तापमान में 2 से 12 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हुई है और लोगों को भीषण गर्मी व लू से राहत मिली है।

मौसम विभाग ने 31 मई से 2 जून तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तेज आंधी, गरज-चमक, बारिश और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना जताते हुए अलर्ट जारी किया है। राजधानी भोपाल में शनिवार सुबह से बादलों ने

डेरा डाले रखा, जिससे गर्मी से थोडी राहत मिली। वहीं छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा और परासिया क्षेत्र में तेज बारिश के साथ ओले गिरे।इंदौर में शनिवार सुबह से आसमान बादलों से घिरा रहा। कई क्षेत्रों में रिमझिम बारिश और बूंदाबांदी हुई, जबकि ठंडी हवाओं ने मौसम को सुहावना बना दिया। पिछले 24 घंटों में दिन और रात के तापमान में करीब 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 41 डिग्री से घटकर 39 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान 24 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। नौतपा की शुरुआत से उमस और तेज गर्मी से परेशान लोगों को इस बदलाव से राहत मिली है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में अगले एक-दो दिन तक ऐसा ही मौसम बना रह सकता है।मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटों में टीकमगढ़ में सवा इंच, दतिया में आधा इंच और नौगांव में पौन इंच बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा ग्वालियर, इंदौर, धार, गुना, रतलाम, उज्जैन, दमोह, खजुराहो, रीवा, सागर, सतना, उमरिया, खरगोन, शिवपुरी, डिंडौरी, मंदसौर, खंडवा, शाजापुर, देवास, झाबुआ, मुरैना और श्योपुर समेत कई जिलों में बारिश हुई।

एक भी परीक्षा ईमानदारी से नहीं करा सके और दावे विश्वगुरु के

-नीट मामले को लेकर राहुल गांधी ने केंद्र पर किया हमला

नई दिल्ली,(ए.)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक और परीक्षा रद्द मामले को लेकर केंद्र सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, कि नीट, सीबीएसई, एसएससी और सीयूईटी जैसी प्रमुख परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही समस्याएं देश की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने कहा कि एक भी परीक्षा ईमानदारी से नहीं करा सके हैं और दावे विश्वगुरु के किए जा रहे हैं।कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि नीट, सीबीएसई, एसएससी और आज सीयूईटी, चार परीक्षाएं और एक करोड़ बच्चे। एक भी ईमानदारी से नहीं हो पाईं। दावे विश्वगुरु के, लेकिन देश में एक परीक्षा भी नहीं करवा सकते- मोदी जी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था तबाह कर दी है। राहुल गांधी ने आगे कहा, जिस पीढ़ी का भविष्य आप बर्बाद कर रहे हैं- वही पीढ़ी आपका हिसाब करेगी।

चिलचिलाती धूप व गर्मी में खुले मैदान में जरांगे का अनशन फिर शुरु

-महाराष्ट्र सरकार पर बढ़ा दबाव, मंत्री पाटिल 400 किमी दूर मनाने पहुंचे

मुंबई,(ए.)। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे ने शनिवार को जालना जिले में भीषण गर्मी के बीच अपना नौवां

अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया, जिससे आरक्षण के मुद्दे पर राज्य सरकार पर दबाव और बढ़ गया। अंतरवाली सराटी गांव में आंदोलन शुरू होते ही मराठा आरक्षण मंत्रिमंडलीय उप-समिति के अध्यक्ष और मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल वहां पहुंचे आौर जरांगे से बात कर उन्हें आंदोलन वापस लेने का प्रयास किया।

मुंबई से करीब 400 किलोमीटर दूर स्थित अंतरवाली सराटी गांव में जरांगे ने भीषण गर्मी के बावजूद बिना किसी टेंट या छाया के खुले मैदान में अनशन शुरू किया। जरांगे सरकार से बार-बार कहते रहे हैं कि वह मराठा समुदाय की ''अग्निपरीक्षा'' न ले। उन्होंने यह भी संकल्प जताया कि उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

बीरभूम में बालू कारोबारी के घर मिला नोटों का पहाड़ व सोना

बीरभूम,(आरएनएस)। जिले के मोहम्मद बाजार थाना क्षेत्र के राजधरपुर में एक रसूखदार बालू कारोबारी व एक तृणमूल नेता के करीबी लवन शेख के ठिकानों पर जिला पुलिस द्वारा की गई छापेमारी में भारी मात्रा में नकदी यानी नोटों का पहाड़ बरामद हुआ है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके और राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। तलाशी के दौरान घर व कार्यालयों के अलग-अलग हिस्सों और लॉकरों से 500 रुपये के नोटों के भारी-भरकम बंडल बरामद किए गए। बरामद रकम इतनी बड़ी है कि नोटों को गिनने के लिए बैंक अधिकारियों और मशीनों को मंगवाना पड़ा। पुलिस के दावों के अनुसार, मुख्य आरोपी का नाम लवण शेख है, जो लंबे समय से इलाके में बालू के कारोबार से जुड़ा हुआ है। जब पुलिस ने उसके घर से सटे दफ्तर की सघन तलाशी ली, तो वहां से कुल 49 लाख 75 हजार रुपये की भारी-भरकम नकदी बरामद हुई। इसके अलावा, तलाशी के दौरान 502 ग्राम (लगभग आधा किलो) सोने के गहने भी जब्त किए गए हैं।

चारधाम यात्रा में उमड़ी रिकॉर्डतोड़ भीड़, केदारनाथ-बदरीनाथ रूट पर लगा 13 KM लंबा जाम

देहरादून (ए.)। उत्तराखंड में इन दिनों चल रही पवित्र चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने से स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण हो गई है। मैदानी इलाकों में पड़ रही भीषण गर्मी और स्कूलों में छुट्टियां शुरू होने के कारण रिकॉर्डतोड़ संख्या में तीर्थ यात्री और पर्यटक उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में पहुंच रहे हैं। इस भारी भीड़ की वजह से केदारनाथ और बदरीनाथ दोनों ही यात्रा रूटों पर गाड़ियों का चक्का जाम हो गया है। जोशीमठ से लेकर बदरीनाथ हाईवे तक कई किलोमीटर लंबा महाजाम लगा हुआ है, जिससे पैदल मार्ग से लेकर मुख्य हाईवे तक गाड़ियां रेंगने को मजबूर हैं। स्थानीय प्रशासन द्वारा भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लगाए गए 'गेट सिस्टम' की वजह से गाड़ियों की कतारें और ज्यादा लंबी होती जा रही हैं।

बदरीनाथ हाईवे पर 13 किलोमीटर लंबी कतारें

जाम की यह भयावह स्थिति केवल वीआईपी वाहनों या केवल हाईवे तक सीमित नहीं है, बल्कि केदारनाथ यात्रा के

पैदल रूट पर भी भारी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से पैदल चलने वालों का भी जाम लग गया है। वहीं दूसरी तरफ, जोशीमठ-बदरीनाथ हाईवे की तस्वीरें बेहद डराने वाली हैं, जहां वाहनों की कई किलोमीटर लंबी हेडलाइट्स और कतारें देखी जा सकती हैं।आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, जोशीमठ से बद्रीनाथ धाम की तरफ लगभग 6 किलोमीटर और जोशीमठ से ऋषिकेश की तरफ हेलंग तक लगभग 7 किलोमीटर तक गाड़ियों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं। यानी कुल मिलाकर इस पूरे पैच पर करीब 13 किलोमीटर लंबा जाम लगा हुआ है, जिसमें हजारों श्रद्धालु घंटों फंसे रहने को मजबूर हैं।

मैदानी इलाकों में 48 डिग्री तक पहुंचा पारा

इस रिकॉर्डतोड़ भीड़ और महाजाम के पीछे दो सबसे मुख्य कारण सामने आ रहे हैं। पहला कारण यह है कि देश के अधिकांश राज्यों में गर्मियों की छुट्टियां शुरू हो चुकी हैं, जिससे लोग सपरिवार यात्रा पर निकल पड़े हैं। दूसरा और सबसे बड़ा कारण यह है कि इस वक्त उत्तर और मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र भीषण लू और जानलेवा गर्मी से तप रहे हैं।मैदानी इलाकों में तापमान 40 डिग्री से लेकर 48 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा है, जिससे बचने के लिए और ठंडी हवाओं के बीच छुट्टियां मनाने के लिए श्रद्धालु और पर्यटक भारी संख्या में उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों का रुख कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की इस अप्रत्याशित आमद के कारण पर्वतीय मार्गों की क्षमता कम पड़ गई है, जिससे प्रशासन को ट्रैफिक संभालने में भारी मशक्कत करनी पड़ रही है।

नोटिस पर भड़कीं राबड़ी देवी, बोलीं- नहीं खाली करुंगी सरकारी घर, दम है तो फोर्स बुलाकर बाहर निकालो

पटना (ए)। हार के सियासी गलियारे से इस वक्त की एक बहुत बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आ रही है, जिसने पटना से लेकर दिल्ली तक की राजनीति में भूचाल ला दिया है। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (RJD) की कद्दावर नेता राबड़ी देवी को पटना के अति-सुरक्षित और वीआईपी इलाके में स्थित प्रसिद्ध '10 सर्कुलर रोड' का सरकारी आवास तुरंत खाली करने का कड़ा प्रशासनिक नोटिस जारी किया गया है। सरकार के इस आदेश की कॉपी मिलते ही पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उन्होंने नीतीश सरकार को बेहद तल्ख लहजे में खुली चुनौती दे डाली है। राबड़ी देवी ने साफ शब्दों में कह दिया है कि मैं यह बंगला किसी भी कीमत पर खाली नहीं करूंगी, सरकार में दम है तो फोर्स बुलाए और मुझे जबरन बाहर निकाल कर दिखाए।दरअसल, बिहार सरकार के भवन निर्माण विभाग की ओर से जारी यह वीआईपी बंगला अब राज्य सरकार के नए पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित कर दिया गया है। बिहार सरकार के इस ताबड़तोड़ प्रशासनिक कदम के बाद सूबे की सियासत में एक बार फिर से जुबानी जंग और तनातनी तेज हो गई है। आरजेडी इसे बदले की राजनीति बता रही है, वहीं सत्ता पक्ष इसे नियमों के तहत की गई कार्रवाई करार दे रहा है।

दो दशकों के ऐतिहासिक राजनीतिक ठिकाने का होने जा रहा अंत

बिहार सरकार द्वारा जारी इस बेदखली नोटिस के साथ ही राजधानी पटना के उस प्रवास का अंत होने जा रहा है, जिसने पिछले दो दशकों से इस बंगले को पूरे बिहार के सबसे बड़े और सबसे चर्चित राजनीतिक पावर सेंटर में बदल कर रख दिया था। पटना का '10 सर्कुलर रोड' दशकों से लालू प्रसाद यादव के परिवार और राबड़ी देवी का आधिकारिक पता रहा है, जहां से आरजेडी अपनी तमाम बड़ी राजनीतिक रणनीतियां तय करती आई है।

आपको बता दें कि यह कोई पहली बार नहीं है जब इस बंगले को लेकर रार मची हो। इससे पहले पिछले साल नवंबर 2025 में भी नीतीश सरकार ने राबड़ी देवी को इसी सरकारी आवास को खाली करने का अल्टीमेटम भरा नोटिस थमाया था, लेकिन तब विपक्षी दलों के भारी विरोध और राजनीतिक समीकरणों के चलते यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। अब 2026 में नए सिरे से जारी इस सख्त नोटिस के बाद यह कानूनी और प्रशासनिक लड़ाई पूरी तरह से एक बड़े राजनीतिक संग्राम में तब्दील हो चुकी है।

'भगवान के सामने मंत्री और आम आदमी सब बराबर', मंदिरों में VIP दर्शन पर हाईकोर्ट ने उठाए सवाल

चेन्नई (ए.)। भारत में लगभग हर छोटे-बड़े प्रसिद्ध मंदिर में वीआईपी (VIP) दर्शन के लिए एक अलग लाइन या विशेष पास की व्यवस्था होती है। कुछ तय रकम या टिकट के पैसे देने के बाद कोई भी व्यक्ति घंटों लंबी लाइनों से बचकर सीधे भगवान के गर्भगृह

तक दर्शन के लिए पहुंच जाता है। हालांकि, पैसे और रसूख के दम पर मिलने वाली इस विशेष सुविधा पर समय-समय पर सवाल भी उठते रहे हैं। ऐसा ही एक गंभीर मामला अब मद्रास हाई कोर्ट की चौखट पर पहुंचा है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए हाई कोर्ट ने मंदिरों में पैसे और वीआईपी दर्जे के आधार पर दी जाने वाली इस विशेष सुविधा पर गहरी चिंता व्यक्त की है। माननीय अदालत ने दोटूक शब्दों में कहा कि भगवान के दरबार में कोई मंत्री हो या आम आदमी, उनमें कोई भेद नहीं हो सकता। ईश्वर के सामने सभी इंसान बराबर हैं, ऐसे में मंदिरों के भीतर वीआईपी दर्शन की इस कुप्रथा का कोई औचित्य नहीं है।'लाइव लॉ' की रिपोर्ट के मुताबिक, मद्रास हाई कोर्ट के जस्टिस जी आर स्वामीनाथन और जस्टिस लक्ष्मीनारायणन की खंडपीठ (बेंच) ने इस मामले की सुनवाई के दौरान बेहद तीखे सवाल उठाए। अदालत ने मंदिरों में वीआईपी दर्शन की प्रथा पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या भगवान के सामने किसी रसूखदार मंत्री और एक आम नागरिक में कोई फर्क है? कोर्ट ने कड़े लहजे में कहा कि दर्शन के लिए कोई भी प्रशासनिक प्रक्रिया तय की जाए, लेकिन उससे मंदिर की कतारों में खड़े आम श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी या मानसिक ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल श्री मनोज सिन्हा से उनके श्रीनगर निवास पर पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

सुप्रीम कोर्ट से अंतर्राष्ट्रीय कछुआ तस्कर मुरूगेसन को झटका, जमानत याचिका खारिज

वन्यजीव तस्करी के विरुद्ध अभियान में एसटीएएफ को बड़ी सफलता

भोपाल,(ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में प्रदेश में वन एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय कछुआ तस्कर मुनीव्रम मुरूगेसन की जमानत याचिका को माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली ने निरस्त कर दिया है। इसी क्रम में थाईलैंड सरकार से प्रत्यर्पण की स्वीकृति मिलने के बाद अंतर्राष्ट्रीय तस्कर मुनीव्रम मुरूगेसन को भारत लाया गया। वर्तमान में वह दिल्ली की तिहाड़ जेल में निरुद्ध है। आरोपी मुरूगेसन के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वन्यजीव तस्करी के कई गंभीर मामले दर्ज हैं। आरोपी द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका (स्पेशल लीव टू अपील) पर सुनवाई करते हुए माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने मामले की परिस्थितियों, प्रत्यर्पण प्रक्रिया की प्रगति तथा उपलब्ध तथ्यों का परीक्षण कर उसे निरस्त कर दिया। राज्य टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएएफ) द्वारा आरोपी के संबंध में आवश्यक दस्तावेज एवं तथ्य न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए। इस कार्रवाई में भारत सरकार के संबंधित विभागों एवं एजेंसियों का भी सहयोग प्राप्त हुआ।

इंटरपोल द्वारा मुनीव्रम मुरूगेसन के विरुद्ध रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। वह दुर्लभ प्रजाति के कछुओं की अंतर्राष्ट्रीय तस्करी में संलिप्त रहा है। आरोपी को वर्ष 2018 में मध्यप्रदेश वन विभाग एवं एसटीएएफ द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। उसके विरुद्ध विभिन्न न्यायालयों में विधिक कार्यवाही जारी है।वन्यजीव तस्करी के अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में माननीय सर्वोच्च न्यायलय के इस निर्णय को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आरोपी की गिरफ्तारी और उसके विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई से वन्यजीव अपराधों पर अंकुश लगाने में सहायता मिलेगी। एसटीएएफ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर वन्यजीव तस्करी के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई की जा रही है। प्रदेश सरकार वन्यजीवों की सुरक्षा और अवैध तस्करी पर रोक लगाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। वन्यजीव अपराधों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनूपपुर जिले में हुई सड़क दुर्घटना पर किया शोक व्यक्त

भोपाल,(ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अनूपपुर जिले में पुष्पराजगढ़ के ग्राम बिजौरा में श्रद्धालुओं को लेकर मंदिर जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली के पलटने से हुई सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना में 6 लोगों के असामयिक निधन और कुछ लोगों के घायल होने का समाचार अत्यंत दुखद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोकाकुल परिजन के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य शासन की ओर से मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। दुर्घटना में घायलों का उपचार जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिवंगतों की आत्मा को शांति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की बाबा महाकाल से प्रार्थना की है।

जल संकट पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का सरकार पर निशाना

जनता को भाषण नहीं, पीने का पानी चाहिए

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश के कई जिलों में गहराते जल संकट को लेकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने राज्य सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से जल संकट की चिंताजनक तस्वीरें सामने आ रही हैं और लोगों को पेयजल के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उमंग सिंघार ने शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए बयान में कहा कि प्रदेश की जनता को भाषण नहीं, बल्कि पीने का पानी और बेहतर व्यवस्थाएं चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जल संकट से प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल राहत और स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि इंदौर, भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, रीवा, सतना, मुरैना, शिवपुरी, खरगोन, बड़वानी और धार सहित प्रदेश के कई जिलों में पेयजल संकट की स्थिति बनी हुई है। उनके अनुसार ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में महिलाएं एवं बच्चे दूर-दराज के स्त्रोतों से पानी लाने को मजबूर हैं।उन्होंने कहा कि कुछ क्षेत्रों से ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जहां बच्चे और ग्रामीण

गड्ढों में उतरकर पानी निकालने का जोखिम उठा रहे हैं। सिंघार ने इसे प्रशासनिक व्यवस्थाओं की कमी का परिणाम बतायनेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा कि सरकार ने जल जीवन मिशन और ग्रामीण पेयजल योजनाओं के लिए हजारों करोड़ रुपये के प्रावधान और खर्च का दावा किया है, लेकिन कई क्षेत्रों में लोगों को अभी भी पर्याप्त पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। उन्होंने इन योजनाओं के क्रियान्वयन और जमीनी स्तर पर उनकी स्थिति को लेकर सवाल उठाए।नेता प्रतिपक्ष ने प्रदेश की वित्तीय स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य पर बड़ा कर्ज होने के बावजूद आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जनता अब योजनाओं और खर्च के वास्तविक परिणाम जानना चाहती है। सिंघार ने कहा कि मौसम विभाग ने पहले ही अधिक गर्मी पड़ने की संभावना जताई थी, ऐसे में पेयजल संकट से निपटने के लिए अग्रिम तैयारी की जानी चाहिए थी। उन्होंने सरकार से प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक जल आपूर्ति, टैंकर व्यवस्था और दीर्घकालिक जल संरक्षण योजनाओं को प्राथमिकता देने की मांग की।

भोपाल। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर मुक्त नशा मुक्ति जागरूकता एवं चिकित्सा परामर्श शिविर।

मध्यप्रदेश ने केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की ट्रांसमिशन योजना क्राइटेरिया का किया पालन

शुजालपुर में ऊर्जीकृत हुआ 200 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल (निप्र)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश ने केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की ट्रांसमिशन प्लानिंग क्राइटेरिया का पालन करते हुए शाजापुर जिले के 220 के वी सब स्टेशन शुजालपुर मे एक नया 200 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया है। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने सीईए की गाइडलाइंस का पालन सुनिश्चित करते हुए इस ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत करने में सफलता प्राप्त की है।

शाजापुर जिले की ट्रांसफार्मेशन कैपेसिटी में हुई वृद्धि

एमपी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता उज्जैन अनिल सक्सेना ने जानकारी दी कि इस क्षमता वृद्धि से शुजालपुर 220 के वी सब स्टेशन की क्षमता बढ़कर 793 एम वी ए की हो गई है, वहीँ शाजापुर जिले की ट्रांसफार्मेशन कैपेसिटी बढकर 1926 एमवीए की हो गई है। शाजापुर जिले मे एमपी ट्रांसको अपने 11 सबस्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है जिसमें 220 केवी के दो सब स्टेशन शुजालपुर, शाजापुर एवं 132 के वी के 9 सबस्टेशन पोलाइकलां, अरनिया कलां, मक्सी, बेरछा, मोहन बादोदिया, कालापीपल, शुजालपुर, शाजापुर, पनवाडी शामिल हैं।

अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती पर 31 को निकलेगी भव्य शोभायात्र

भोपाल (आरएनएस)। राजधानी में अहिल्याबाई देवी होल्कर के 301वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जायेगी। 31 मई 2026 को सायं 5 बजे भव्य शोभा यात्रा निकाली जायेगी। पाल समाज श्रीकृष्ण गोर्वधन गिरिराज मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा दी जानकारी के मुताबिक इस आयोजन में राजधानी ही नहीं आस-पास ग्रामीण क्षेत्रों से ही लोग आकर कार्यक्रम में शामिल होंगे। आयोजन में

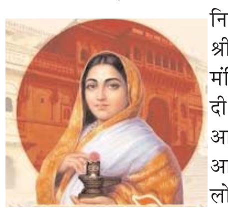

विधायक भगवानदास सबनानी, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, पार्षद जगदीश यादव, श्रीमती बृजुला सचान अतिथि के रुप में शामिल होगे। मंदिर समिति के अध्यक्ष महेन्द्र सिंह बघेल एवं कार्यकारिणी सदस्य भानुप्रताप सिंह पाल (पत्रकार) ने जानकारी देते हुए बताया कि पाल समाज श्रीकृष्ण गोर्वधन गिरिराज मंदिर पाल समाज का इकलौता मंदिर है जहां वर्षो से भव्य धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम होते आ रहे हैं। समिति के उपाध्यक्ष जयराम बघेल ने कहा कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिये स्वजाति बंधुओं आव्हान किया गया है कि अधिक से अधिक संख्या में परिवार सहित शामिल होकर आयोजन को गरिमामय बनाने का प्रयास करें।

गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में लकड़ी की फैक्ट्री में लगी भीषण आग, करोड़ों का सामान जलकर खाक

- दमकल ने काफी मशक्कत के बाद पाया काबू

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में शुभम एंटरप्राइजेस नामक फैक्ट्री में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात भीषण आग लग गई। नगर निगम के फायर अमले ने रातभर भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, हालांकि शनिवार दोपहर तक भी फैक्ट्री के मलबे से धुआं और आग सुलगती रही। आग की वजह से करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है।जानकारी के अनुसार, इस फैक्ट्री में बड़े पैमाने पर प्लाईवुड, लकड़ी के दरवाजे और ब्लैक बोर्ड बनाने का काम होता था, जिसके चलते परिसर में कई टन लकड़ी, अत्यधिक ज्वलनशील केमिकल और थिनर का भारी स्टॉक रखा हुआ था। केमिकल और थिनर की मौजूदगी के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग लगने की इस भयानक घटना के बाद पूरे औद्योगिक क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही गांधीनगर, गोविंदपुरा, कोलार, बैरागढ़, फतेहगढ़, आईएसबीटी और कबाड़खाना सहित शहर के लगभग सभी फायर स्टेशनों से दमकल गाड़ियां और पानी के टैंकर तुरंत मौके के लिए रवाना किए गए।नगर निगम के फायर प्रभारी सौरभ पटेल, फायर फाइटर पंकज यादव और सहायक प्रभारी विजय त्रिपाठी समेत 50 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी रातभर जान जोखिम में डालकर आग बुझाने के काम में जुटे रहे। शनिवार सुबह करीब 9 बजे जाकर लपटों पर नियंत्रण पाया जा सका, लेकिन लकड़ी के भीतर सुलग रही आग को पूरी तरह शांत करने के लिए दोपहर तक दमकल की टीमें मौके पर तैनात रहीं।फायर फाइटर पंकज यादव ने बताया कि केमिकल और भारी मात्रा में जमा लकड़ी के कारण आग बुझने का नाम नहीं ले रही थी।

मध्य भारत की हृदयस्थली में नई संभावनाओं को साकार करने वाला राजमार्ग बोरगांव से शाहपुर तक

म.प्र. के केले, कपास, गेहूं, सोयाबीन का विदेशी बाजार में पहुंचना होगा आसान

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश के तेजी से विकसित हो रहे कृषि क्षेत्र और मध्य भारत के केले के प्रमुख केन्द्र खंडवा और बुरहानपुर में प्रतिवर्ष 1.7 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक केले का उत्पादन होता है। यहां से प्रतिदिन 140 भारी-भरकम ट्रक घरेलू बाजारों और अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों तक केले पहुंचाते हैं। वर्षों से इन ट्रकों को संकरी और जर्जर सड़कों से होकर गुजरना पड़ता था। इससे आवागमन धीमा हो जाता था, यात्रा का समय बढ़ जाता था और परिवहन एक कठिन कार्य बन जाता था। लेकिन महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना के तहत एनएच-753एल के बोरगांव से शाहपुर खंड के आधुनिक चार-लेन वाले राजमार्ग गलियारे के रूप में विकसित होने से अब यह स्थिति बदलने वाली है।एनएच-753एल का बोरगांव से शाहपुर तक का खंड रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है और यह महाराष्ट्र में बोरगांव बुजुर्ग से मुक्ताईनगर तक फैले एक बड़े गलियारे का हिस्सा है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा विकसित इस गलियारे से मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच अंतर-राज्यीय संपर्क को नया रूप मिलने की उम्मीद है। लगभग 944 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया जा रहा यह गलियारा लगभग 47 किलोमीटर लंबा है और इसका 85 प्रतिशत निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। पूर्ण रूप से निर्मित होने के बाद, यह मार्ग इंदौर और छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) के बीच एक तेज, सुरक्षित एवं अधिक कुशल वैकल्पिक संपर्क के रूप में उभरेगा और क्षेत्रीय लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत करते हुए अंतर-राज्यीय परिवहन की एक प्रमुख धुरी बन जाएगा।

खेत से बाजार तक के संपर्क को मजबूती

यह परियोजना केले, कपास, सोयाबीन और गेहूं जैसी फसलों के लिए प्रसिद्ध कृषि प्रधान क्षेत्रों से होकर गुजरती है। स्थानीय किसानों और ट्रांसपोर्टरों के लिए, इन बेहतर सड़कों का सीधा लाभ यह होगा कि उनकी बाजार तक तेजी से पहुंच संभव होगी और परिवहन लागत में कमी आएगी।इस क्षेत्र के गांवों के लिए, यह राजमार्ग पहले से ही दैनिक जीवन में एक बड़ा सुधार साबित हो रहा है। बुरहानपुर जिले की झीरी पंचायत की सरपंच आशा कैथवास बताती हैं कि पुरानी सड़क की खराब हालत के कारण परिवहन कितना कठिन हो गया था। उनके अनुसार, क्षतिग्रस्त सतहों और गड्ढों के कारण भारी वाहनों की आवाजाही पहले बेहद चुनौतीपूर्ण थी। नए राजमार्ग के बनने से ट्रकों की आवाजाही काफी सुगम हो गई है। इससे किसानों और ट्रांसपोर्टरों, दोनों को कृषि उपज को अधिक कुशलता से ले जाने में मदद मिल रही है।इस गलियारे में 1 रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी), 7 बड़े पुल, 20 छोटे पुल, 98 पुलिया, 3 हल्के वाहनों के लिए अंडरपास (एलवीयूपी), 5 छोटे वाहनों के लिए अंडरपास (एसवीयूपी) और 6 वाहनों के लिए अंडरपास (वीयूपी) शामिल हैं। इनमें से कई संरचनाओं को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि स्थानीय संपर्क बाधित न हो और गांवों, खेतों एवं आसपास के इलाकों के बीच आवागमन सुचारू व निर्बाध बना रहे।

मध्यप्रदेश भवन में 2 दिवसीय समर वर्कशॉप का सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन

भोपाल (निप्र)। नई दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित मध्यप्रदेश भवन में आयोजित 2 दिवसीय समर वर्कशॉप का समापन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ गत दिवस हुआ। समापन समारोह में सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला ने प्रतिभागियों के उत्साह और रचनात्मक प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों और युवाओं के सर्वांगीण विकास में मदद मिलती है।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पद्मश्री कालूराम बामनिया द्वारा प्रस्तुत कबीर गायन तथा महेश कुलश्रेष्ठ की मनमोहक 'फूलपाती' नृत्य प्रस्तुति रही। इन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को मध्यप्रदेश की समृद्ध लोक एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए हीटलेस कुकिंग (बिना आग के खाना बनाना), फैब्रिक पेंटिंग, मधुबनी पेंटिंग कला तथा डीआईवाई (DIY) क्रॉफ्ट सत्र जैसी रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। समारोह में ट्रेज़र हंट प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया। दो दिनों तक चली इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को सीखने, सृजनात्मकता विकसित करने और मनोरंजन के साथ नई गतिविधियों का अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन उत्साह, उमंग और मधुर स्मृतियों के साथ हुआ।

सतना-मैहर बाईपास पर बस ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत, एक गंभीर घायल

सतना,(ए.)। मध्य प्रदेश के सतना-मैहर बाईपास पर शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा कोलगवां थाना क्षेत्र के उतैली मोड़ के पास सुबह करीब 10 बजे हुआ, जहां तेज रफ्तार यात्री बस ने बाइक को टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार, सतना से मैहर जा रही अभय ट्रेवल्स की बस क्रमांक एमपी 19 पी 0685 ने सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में बाइक चला रहे 25 वर्षीय विवेक यादव पुत्र रक्कू यादव बस के पहियों के नीचे आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद बस चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। वहीं बस में सवार यात्री भी उतरकर चले गए। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत डायल-112 को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। गंभीर रूप से घायल विवेक यादव और 24 वर्षीय विनय यादव पुत्र लक्खू यादव को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने विवेक को मृत घोषित कर दिया। विनय के सीने में गंभीर अंदरूनी चोटें आई हैं और उसका उपचार जारी है।

सिंधी समाज मंडला ने पंचचौकी आरती में दी श्रद्धा भक्ति और आस्था की प्रस्तुति

मंडला (ए.)। पवित्र पावन पुण्य सलिला मां नर्मदा के माहिष्मती घाट पर शुक्रवार को आयोजित संध्याकालीन पंचचौकी महाआरती का आयोजन सिंधी समाज मंडला के द्वारा भव्य रूप से संपन्न हुआ। बताया गया कि हर माह की 29 तारीख को सिंधी समाज को महाआरती का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इस महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, जिससे पूरे माहिष्मती घाट पर भक्ति मय वातावरण हो गया। पंचचौकी महाआरती का आयोजन अमृता चौकी, रेवा चौकी, नर्मदा चौकी, शांकरी चौकी और मेकलसुता चौकी पर किया गया। भक्तों ने नर्मदा नदी में दीप प्रवाहित किए, जिससे नदी का जल दीपों की झिलमिलाहट से आलोकित हो उठा। इस दौरान "नर्मदाष्टक", "त्वदीय पाद पंकजं", "नमामि देवी नर्मदे" और आरती " ? जय जगदीश हरे" ने भक्तों को भक्ति के सागर में डुबो दिया। महाआरती को लेकर समाज के सभी वर्गों में भारी उत्साह और उल्लास देखा जा रहा है।

नीट परीक्षा विवाद को लेकर मैहर में युवक कांग्रेस का प्रदर्शन, कई कार्यकर्ता हिरासत में

मैहर,(ए.)। नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों को लेकर मध्य प्रदेश के मैहर में युवक कांग्रेस ने शनिवार को जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया और जिला अध्यक्ष सौरभ शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने रेलवे स्टेशन की ओर मार्च किया और ट्रेन रोकने का प्रयास किया। इसे देखते हुए प्रशासन और पुलिस पहले से ही सतर्क थी। रेलवे स्टेशन परिसर में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी तथा सीएसपी महेंद्र सिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। स्टेशन के आसपास बैरिकेडिंग लगाकर सुरक्षा घेरा बनाया गया था।जैसे ही प्रदर्शनकारी रेलवे स्टेशन की ओर बढ़े, पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए नीट परीक्षा मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग भी उठाई गई। करीब एक घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग पार करने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें रोकते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। हालात तनावपूर्ण होते देख पुलिस ने युवक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया सहित कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

तंबाकू छोड़ने का संकल्प, निषेध सप्ताह में सामूहिक शपथ

दतिया (ए.)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस-2026 के तहत एक सप्ताह तक चलने वाले तंबाकू निषेध सप्ताह में निकोटिन एवं तंबाकू की लत के दुष्चक्र को समाप्त करने हेतु संचालित जागरूकता अभियान के अंतर्गत कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े के निर्देशन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश वॉलेंट्री हेल्थ एसोसिएशन (एम.पी.व्ही.एच.ए.) तथा स्वदेश ग्रामोत्थान समिति के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्टेडियम सभागार दतिया में जागरूकता संगोष्ठी एवं सामूहिक शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला खेल अधिकारी अरविंद सिंह राणा एवं बाल कल्याण समिति के सदस्य एवं विषय विशेषज्ञ रामजीशरण राय के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों, युवाओं एवं उनके परिजनों को तंबाकू एवं निकोटिन उत्पादों के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया तथा तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण हेतु शपथ दिलाई गई। संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि तंबाकू उद्योग द्वारा विभिन्न आकर्षक पैकेजिंग, स्वाद एवं आधुनिक स्वरूपों के माध्यम से बच्चों और युवाओं को तंबाकू उत्पादों की ओर आकर्षित किया जा रहा है। ऐसे में समाज के प्रत्येक वर्ग को जागरूक होकर इस प्रवृत्ति का विरोध करना होगा तथा तंबाकू मुक्त भारत स्वस्थ भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

जल समस्या जानने, सीईओ जिला पंचायत ने ग्रामीण क्षेत्रों का किया निरीक्षण

ग्राम विलपुरा में पड़ोसी गांव से लाइन बिछाने के दिए निर्देश

ग्वालियर (ए.)। जिला पंचायत सीईओ सोजान सिंह रावत ने पानी की समस्या जानने के लिए कई ग्रामीण इलाकों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें ग्राम विलपुरा के एक वार्ड में पानी की समस्या मिली। चूंकि गांव में पहले ही 6 बोर किए जा चुके थे लेकिन सभी फेल हो गए। इसके चलते सीईओ जिला पंचायत सोजान सिंह रावत ने ग्राम दुगनावली में बोरिंग कराकर विलपुरा तक पाइप लाइन बिछाने के निर्देश दिए हैं। सीईओ जिला पंचायत सोजान सिंह रावत ने बताया कि मितावली गांव में टंकी के माध्यम से लोगों के घरों में तिघरा का पानी सप्लाई किया जा रहा है। वहीं ग्राम नायकपुरा, तालपुरा, भयपुरा में पानी की लाइन बिछाने का कार्य जल संसाधन निगम द्वारा किया जाना था, पूर्व में टेंडर होने के बाद ठेकेदार ने बीच में कार्य छोड़ दिया, जिसके चलते ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया है। भोपाल स्तर से इन गांवों में पेयजल सप्लाई के लिए टेंडर किए जा चुके हैं, जल्द ही यहां कार्य पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इन गांवों में बोरिंगों के माध्यम से पानी सप्लाई किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में पानी का संकट नहीं है, जिला पंचायत के अधिकारी लगातार जल सप्लाई को लेकर क्षेत्र का भ्रमण कर रहे हैं।

खनिजों के अवैध परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, खनिज विभाग ने जप्त किए 4 वाहन

सिंगरौली (ए.)। कलेक्टर गौरव बैनल के कड़े निर्देशानुसार एवं खनिज अधिकारी सुश्री आकांक्षा पटेल के मार्गदर्शन में जिले में अवैध उत्खनन और खनिजों के अवैध परिवहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में सहायक खनि अधिकारी रामसुशील चौरसिया के नेतृत्व में आज, दिनांक 30 मई 2026 को प्रातःकाल आकस्मिक जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान बिना वैध अभिवहन पास (रॉयल्टी) के अवैध रूप से रेत का परिवहन करते पाए जाने पर ट्रैक्टर-ट्रॉली क्रमांक एमपी 66 ए 4891 को जप्त कर सुरक्षार्थ पुलिस थाना माडा में खड़ा कराया गया। इसी तरह खनिज अमले द्वारा ग्राम जैतपुर से बिना वैध पास के अवैध रूप से बोल्डर का परिवहन करते हुए एक बिना नंबर की ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा गया। साथ ही, रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर ट्रैक्टर-ट्रॉली क्रमांक एमपी 66 ए 1557 को भी जप्त किया गया। इन दोनों वाहनों को आगामी कार्रवाई के लिए पुलिस चौकी जयंत की सुपुर्दगी में दिया गया है। इसके अतिरिक्त, रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर एक बिना नंबर के डंपर को भी जप्त कर थाना नवानगर में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है। इस प्रकार खनिज विभाग द्वारा सुबह-सुबह की गई इस त्वरित कार्रवाई में कुल 4 वाहनों को जप्त किया गया है। विभाग द्वारा पकड़े गए सभी वाहनों के विरुद्ध मध्य प्रदेश खनिज नियमों के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने सख्त लहजे में चेतावनी दी है कि जिले में अवैध उत्खनन और परिवहन पर इस तरह की छापामार कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

मानसून से पहले तैयारियां तेज, कलेक्टर बोले-वर्षाकाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी लापरवाही

राजगढ़, (ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में प्रशासन ने आगामी मानसून और संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर डॉ. गिरीशकुमार मिश्रा की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण समिति की बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वर्षाकाल के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी, जिला पंचायत सीईओ डॉ. इच्छित गढ़पाले सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि जलभराव वाले पुल, पुलिया और रपटों पर मानसून से पहले बैरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। वहीं पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी ने संवेदनशील स्थलों पर सतत निगरानी और पुलिस ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। स्कूल बसों और यात्री वाहनों के संचालकों को भी जलमग्न मार्गों से बचने के लिए चेतावनी जारी करने को कहा गया।बैठक में स्वास्थ्य विभाग को एंटी स्नेक वेनम, आवश्यक टीकों और जीवनरक्षक दवाओं का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बाढ़ संभावित और डूब क्षेत्रों की पहचान कर ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए विशेष बैठकें आयोजित की जाएंगी।

व्यापार समाचार

कच्चे तेल में तेजी और वैश्विक अस्थिरता से सोना और चांदी फिसले

नई दिल्ली (आरएनएस)। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को बड़ी गिरावट देखी गई। इसकी वजह अमेरिका की ओर से ईरान पर ताजा हमले के बाद वैश्विक स्तर पर अस्थिरता बढ़ना और कच्चे तेल में फिर से तेजी आना है।

दोपहर 12 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर में सोने का दाम 1.74 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,379 डॉलर प्रति औंस पर था, जबकि कॉमेक्स पर जून फ्यूचर्स के सोने का कॉन्ट्रैक्ट 1.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,376 डॉलर पर था।

सोने की अपेक्षा चांदी में अधिक गिरावट देखी गई। हाजिर में चांदी का दाम 2.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 72.92 डॉलर प्रति औंस पर था। कॉमेक्स पर चांदी का जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 2.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 72.93 डॉलर प्रति औंस पर था। भारतीय बाजार बकरीद ईद की छुट्टी के चलते बंद है। कमोडिटी बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर जारी अनिश्चितता के कारण निवेशकों के सतर्क रहने से सोने पर दबाव बना रहा।

अमेरिका-ईरान के बीच तनाव बना हुआ है और दोनों देशों के बीच प्रमुख विवाद के मुद्दों में ईरान का होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण बनाए रखने और अपने परमाणु कार्यक्रम को संरक्षित करने की मांग शामिल है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वाशिंगटन ईरान की इन दोनों मांगों को नहीं मानेगा।

जानकारों के मुताबिक, ऊर्जा की बढ़ती कीमतें वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति की चिंताओं को बढ़ा रही हैं, जिससे प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम हो रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि लगातार बनी हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितता, तेल की ऊंची कीमतें और डॉलर की मजबूती के कारण कीमती धातुओं की कीमतों में निकट भविष्य में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है।

लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरों की उम्मीदों का असर सोने की कीमतों पर पड़ रहा है, और वर्तमान में सोना संघर्ष शुरू होने के समय के स्तर से 15 प्रतिशत से अधिक नीचे कारोबार कर रहा है। इस बीच, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स द्वारा कथित तौर पर वाशिंगटन की सैन्य कार्रवाई के जवाब में एक अमेरिकी हवाई अड्डे को निशाना बनाने के दावे के बाद कच्चे तेल की कीमतों में 3 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई, जिससे आपूर्ति में व्यवधान और मुद्रास्फीति को लेकर चिंताएं और बढ़ गईं।

Tata ग्रुप ने किया स्पेशल डिविडेंड का ऐलान, हर शेयर पर मिलेंगे 11.70 रुपए; जानें क्या है रिकॉर्ड डेट

मुंबई (आरएनएस)। टाटा ग्रुप की दिग्गज आईटी कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज के निवेशकों के लिए एक बेहद शानदार और बड़ी खुशखबरी सामने आ रही है। कंपनी ने अपने शेयरधारकों को एक बड़ा तोहफा देते हुए बंपर स्पेशल डिविडेंड (विशेष लाभांश) देने का ऐतिहासिक फैसला किया है। शेयर बाजार में लिस्टिंग के बाद यह तीसरी बार होने जा रहा है जब कंपनी के शेयर एक्स-डिविडेंड (E&-Dividend) के रूप में ट्रेड करेंगे। इस बार कंपनी अपने निवेशकों को डबल फायदा पहुंचाते हुए फाइनल डिविडेंड के साथ-साथ 'वन टाइम स्पेशल डिविडेंड' भी देने जा रही है। अगर आप भी इस मुनाफे का लाभ उठाना चाहते हैं, तो कंपनी ने इसके लिए अगले महीने की एक खास रिकॉर्ड डेट भी तय कर दी है।हर शेयर पर मिलेगा 11.70 का मुनाफा, एक्सचेंज को दी जानकारी

स्टॉक एक्सचेंज को भेजी गई आधिकारिक सूचना में टाटा टेक्नोलॉजीज ने बताया है कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 2 रुपये की फेस वैल्यू वाले प्रति इक्विटी शेयर पर 8.35 रुपये का तगड़ा स्पेशल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। इसके साथ ही, कंपनी अपने शेयरधारकों को 3.35 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड भी देगी।इसका सीधा मतलब यह हुआ कि दोनों को मिलाकर कंपनी अपने निवेशकों को हर एक शेयर पर कुल 11.70 रुपये का बंपर डिविडेंड देने जा रही है। यदि आपके पास कंपनी के 100 शेयर हैं, तो सीधे आपके

खाते में 1,170 रुपये का मुनाफा क्रेडिट किया जाएगा।

नोट कर लें रिकॉर्ड डेट और पेमेंट की तारीख, इस दिन खाते में आएगा पैसा

टाटा टेक्नोलॉजीज ने इस भारी-भरकम डिविडेंड का लाभ उठाने के लिए 18 जून 2026 की तारीख को रिकॉर्ड डेट (Record Date) के रूप में तय किया है। इसका मतलब यह है कि जिन निवेशकों का नाम 18 जून को कंपनी की रिकॉर्ड बुक या डीमैट खाते में दर्ज रहेगा, केवल वे ही इस डिविडेंड को पाने के योग्य माने जाएंगे। कंपनी ने भुगतान की तारीख का भी खुलासा कर दिया है; सभी योग्य और पात्र निवेशकों के बैंक खातों में इस डिविडेंड की राशि का भुगतान 12 जुलाई 2026 या उसके बाद सीधे ट्रांसफर कर दिया जाएगा।इससे पहले कब-कब कंपनी ने दिया है डिविडेंड? देखें इतिहास

पहली बार: कंपनी 12 जून 2024 को बाजार में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने निवेशकों को 8.40 रुपये का फाइनल डिविडेंड और 1.65 रुपये का स्पेशल डिविडेंड दिया था।दूसरी बार: बीएसई (BSE) के डेटा के मुताबिक, कंपनी पिछले साल 16 जून 2025 को एक्स-डिविडेंड के रूप में ट्रेड की थी। तब निवेशकों को 8.35 रुपये का फाइनल डिविडेंड और 3.35 रुपये का स्पेशल डिविडेंड बांटा गया था।इस बंपर डिविडेंड के ऐलान के बीच, हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का शेयर 1.91 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 705.25 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि, पिछले कुछ समय से इस शेयर में जबरदस्त रिकवरी और तेजी का माहौल देखा जा रहा है।बीते महज एक महीने के भीतर टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 23 प्रतिशत की तूफानी तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले तीन महीनों में कंपनी के शेयरों का भाव 20 प्रतिशत तक सुधरा है। इसके अलावा, जिन निवेशकों ने 6 महीने पहले इस शेयर को होल्ड किया था, वे अब तक 3.87 प्रतिशत के मुनाफे में आ चुके हैं।

भूल गए हैं बैंक या बीमा में जमा अपना ही पैसा? सरकार के इस नए पोर्टल से मिनटों में चलेगा पता

नई दिल्ली (आरएनएस)। कई बार लोग किसी बैंक खाते में पैसा जमा करके भूल जाते हैं, या फिर किसी पुरानी बीमा पॉलिसी, शेयर और म्यूचुअल फंड का पैसा सालों तक बिना दावे (अनक्लेम्ड) के पड़ा रहता है। आम जनता की इसी बड़ी परेशानी को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने एक बेहद अहम और बड़ा कदम उठाया है। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले वित्तीय सेवा विभाग (DFS) ने एक नया विशेष पोर्टल लॉन्च किया है, जिसका नाम 'कॉमन लैंडिंग पोर्टल फॉर अनक्लेम्ड फाइनेंशियल एसेट्स' (Common Landing Portal for Unclaimed Financial

Assets) रखा गया है। अब देश का कोई भी नागरिक घर बैठे इस आधिकारिक वेबसाइट (www.unclaimedassetsportal.in) के जरिए बड़ी आसानी से अपने या अपने परिवार के उस पैसे का पता लगा सकता है, जो सालों से सिस्टम में लावारिस पड़ा हुआ है।एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलेगी बैंकिंग और इंश्योरेंस की हर जानकारीपहले के समय में अगर किसी पुराने बंद पड़े बैंक खाते, फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) या पुरानी बीमा पॉलिसी के फंसे पैसे के बारे में पता करना होता था, तो लोगों को अलग-अलग संस्थाओं की वेबसाइट्स या दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे। सरकार के इस नए पोर्टल ने अब इस पूरे पेचीदा प्रक्रिया को बेहद सरल और सुलभ बना दिया है। यह एक ऐसा एकीकृत (यूनिफाइड) प्लेटफॉर्म है, जहां कोई भी व्यक्ति बैंकिंग, इंश्योरेंस, शेयर बाजार के डिविडेंड (लाभांश) से लेकर म्यूचुअल फंड तक की अनक्लेम्ड राशि की जानकारी एक साथ खंगाल सकता है। पूरे वित्तीय ईकोसिस्टम को इस एक जगह पर जोड़ दिया गया है, ताकि आम आदमी को अपने हक का पैसा खोजने में कोई तकनीकी या प्रशासनिक दिक्कत न आए।

मुंबई में सीएनजी की कीमतें 2 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ीं, पीएनजी 50 पैसे महंगी हुई

मुंबई (ए.)। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। शनिवार को महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने सीएनजी कीमतों में 2 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की। जिससे रिटेल रेट बढ़कर 86 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है।नई कीमतें मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई और कंपनी की ओर से सेवा दिए जाने वाले अन्य इलाकों में लागू होंगी। सीएनजी की कीमतों में यह इस महीने की दूसरी बढ़ोतरी है; इससे पहले एमजीएल ने 14 मई को कीमतें 2 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाई थीं। बता दें कि कंपनी ने एमएमआर में पाइप वाली कुकिंग गैस (पीएनजी) की दरें भी 50 पैसे प्रति यूनिट बढ़ा दी हैं।अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर लगातार दबाव और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण आपूर्ति में आई रुकावटों की वजह से कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। हाल के हफ्तों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें भी बढ़ोतरी की गई है, क्योंकि सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी का असर ग्राहकों पर डाल दिया है। मुंबई में शनिवार को पेट्रोल की कीमत 111.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 97.83 रुपये प्रति लीटर रही।इस बीच, केंद्र सरकार ने सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं को पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के भंडार को मजबूत करने का निर्देश दिया है। तेल विपणन कंपनियों से आग्रह किया गया है कि वे घरेलू मांग के कम से कम 30 दिनों के बराबर एलपीजी का स्टॉक बनाए रखें।पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में बताया कि सरकार के निर्देश पर, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां वर्तमान में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की बिक्री पर प्रतिदिन 550 करोड़ रुपये तक का नुकसान उठा रही हैं।

इसकी वजह यह है कि उन्होंने घरेलू उपभोक्ताओं को बचाने के लिए वैश्विक कीमतों में हुई पूरी बढ़ोतरी का बोझ उन पर नहीं डाला है।मंत्रालय ने कहा कि कच्चे तेल, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति पर्याप्त बनी हुई है लेकिन घबराहट में की गई खरीदारी के कारण कुछ जगहों पर कमी की समस्या सामने आई है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

अपेक्षा के अनुरूप ही

सुप्रीम कोर्ट का फैसला उचित होने के बावजूद उससे बुल्डोजरी अंदाज में कराए गए एसआईआर पर उठे सवालों का जवाब नहीं मिला है। ना ही इससे निर्वाचन आयोग की मंशा पर जताए गए शक दूर होंगे।

मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण संवैधानिक रूप से उचित है, इसको लेकर कभी किसी को शक नहीं था। निर्वाचन आयोग को यह प्रक्रिया संपन्न कराने का अधिकार है, इस पर भी कोई भ्रम कभी नहीं रहा। अब सुप्रीम कोर्ट ने यही व्यवस्था दी है, तो वह अपेक्षा के अनुरूप ही है। विवाद इसे कराने के लिए चुने गए वक्त पर था। बिहार में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले एसआईआर कराने का एलान निर्वाचन आयोग ने किया, तो उचित सवाल उठा कि आखिर इसकी जल्दबाजी क्यों है? क्यों नहीं यह काम तसल्ली से और सभी संबंधित पक्षों को भरोसे में लेते हुए कराया जा सकता है? जल्दबाजी के कारण मची अफरातफरी से बड़ी संख्या में मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने की आशंका पैदा हुई। कम-से-कम पश्चिम बंगाल में ऐसा असल में हुआ, यह कहने का ठोस आधार है। इन पहलुओं को ध्यान में रखें, तो कहा जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला उचित होने के बावजूद उससे बुल्डोजरी अंदाज में कराए गए एसआईआर पर उठे सवालों का जवाब नहीं मिला है। ना ही इससे निर्वाचन आयोग की मंशा पर जताए गए शक दूर होंगे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने जब राज्यों में चुनाव से ठीक पहले स्ट्रीमरोलर के अंदाज में कराए जा रहे एसआईआर पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, तो उसके साथ ही घटनोपरांत सुधार की गुंजाइश खत्म हो गई थी।बहरहाल, अब आए निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि निर्वाचन आयोग को एसआईआर के दौरान नागरिकता की जांच करने का अधिकार है। मगर तीन जजों की बेंच ने यह भी कहा कि मतदाता सूची में नाम शामिल ना करने का मतलब व्यक्तियों को उनकी नागरिकता से वंचित करना नहीं है। जिनके नाम हटाए गए, वे बाद में अपने दावे के साथ निर्णय प्रक्रिया में जा सकते हैं। मगर यह व्यवस्था समस्याग्रस्त है। सवाल है कि क्या वोट काट कर किसी वैध नागरिक को मतदान से वंचित रखने जवाबदेही तय की जाएगी और क्या इसकी कोई सज़ा होगी? ऐसा नहीं होने का मतलब क्या नागरिक के साथ अन्याय और लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ करना नहीं होगा?

मैं दिल्ली, हर चीज़ से पहले यहाँ थी!

श्रुति व्यास

मुझे हमेशा मेरे लोगों ने बनाया। वे लोग जो बाहर से आए, जिन्होंने मुझे अपनाया और ऐसा करके मुझे बनाया। मैं हमेशा दिल वालों की दिल्ली रही हूँ। जन्म से नहीं, चुनाव से। ठहरने से। किसी कठिन चीज़ से प्रेम करने और उसे घर कहने से। पर अब मुझे इतनी गहराई तक खोद दिया गया है कि मैं अपने भीतर का रिसाव सुन सकती हूँ। वे पेड़ गिरते सुनती हूँ जो दशकों से मेरे साथ खड़े थे।

मेरी नसों पर मेट्रो के फैल जाने से पहले। उन फ्लाईओवरों के एक दूसरे पर चढ़ते जाने से पहले, जब आसमान तक इंजीनियर किया हुआ लगने लगा था। उन मॉलों के आने से पहले, जिनमें इत्र और ठंडी हवा की गंध भरी रहती है, और जहाँ कभी पुराने सिनेमा हुआ करते थे। फीके पड़ते पोस्टर, चिपचिपी फ़र्श और देर रात तक चलती फ़िल्में। उन कैफ़े के आने से पहले, जिनके अंग्रेज़ी नाम हैं और जिन्होंने उन रेस्तराँ की जगह ले ली जहाँ वेटर पिता तक को पहचानते थे। उस समय से पहले, जब यह शहर खुद से ही अधीर होने लगा था। उस सबसे पहले, मैं यहाँ थी।

ब्रिटिशों के मेरे सीने पर अपनी सीधी, औपचारिक सड़कें खींचकर उसे नई दिल्ली कहने से पहले, मानो शहर की कल्पना सबसे पहले उन्हीं ने की हो। मुगलों के मुझे एक साथ भव्य और उदास बना देने से पहले। तुगलकों के मुझे बार बार बसाने और छोड़ने से पहले, उस बेचैनी के साथ जिसमें उन्हें खुद भी यक़ीन नहीं था कि मैं रहने लायक हूँ या नहीं। मैंने उन सबको आते देखा है। जाते भी। साम्राज्य हमेशा खुद को स्थायी मानकर आते हैं। शहर उनसे ज़्यादा जानते हैं।

1947 में मैं एक तूफ़ान से गुज़री थी। विभाजन मेरे भीतर घाव की तरह उतरा था। लाखों शरणार्थी आए। शहर की पहचान लगभग एक रात में बदल गई। फिर भी अजीब बात है, वे मेरे सबसे मुलायम साल थे। देश नया भी था, थका हुआ भी, और उम्मीद से भरा भी। मैं भी वैसी ही थी।

चाँदनी चौक में तब भी ताँगे चलते थे। लोग राजपथ पर साइकिल चलाते थे। जनपथ का कॉफ़ी हाउस तब तक खुला रहता था, जब तक कवियों और पत्रकारों के पास सिगरेट और बहस, दोनों खत्म नहीं हो जाते थे। हवा तब बस हवा थी। पानी बिना घबराहट के आता था। हर मौसम थकाता था, लेकिन सज़ा जैसा नहीं लगता था। शामें धीमी उतरती थीं। पेड़ों की छाया लंबी होती थी और सरकारी दफ्तरों से लौटते लोग बिना जल्दी के बस स्टॉपों पर खड़े दिखाई देते थे। पुरानी दिल्ली की गलियों में रात देर तक बर्तनों की आवाज़ें आती रहती थीं। नई दिल्ली अब भी अपने चौड़े रास्तों में आधी खाली लगती थी। शहर तब इतना तेज़ नहीं भागता था। उसे अभी खुद को साबित करने की उतनी बेचैनी नहीं हुई थी।

मुझे वह भी याद है। सर्दियों की धूप में गोल मार्केट के लॉन पर दौड़ते छोटे कदम। बाबा खड़क सिंह मार्ग पर स्कूल बस पकड़ने के लिए भागती हुई वह लड़की। अपने पिता का इंतज़ार करती हुई, जो उसे तालकटोरा में तैरने ले जाते थे। हरियाली से भरा मेरा पुराना मुग़ल कटोरा, रिज की धरती में आसमान की ओर खुला हुआ। उसका स्कूल अदालत, स्टेडियम और प्रगति मैदान के पास था। वहीं हर साल पुस्तक मेला लगता था और राज रेवाल की कंक्रीट जाली पूरे परिसर के ऊपर उठती दिखाई देती थी। ज्यामिति, महत्वाकांक्षा और खुद पर भरोसा करती एक पूरी पीढ़ी का आकार। उसे तब यह नहीं पता था कि वह क्या महसूस कर रही है। वह बस ऊपर देखा करती थी।

वह बड़ी हुई और मैं उसके साथ बदलती गई। हर रविवार शाम अपने भाई के साथ रेल भवन के बाहर खड़े पुराने भाप इंजन को चलाने का नाटक करती हुई। 1925 का वह दार्जिलिंग इंजन, छोटा, गरिमामय, जिसे दशकों तक वहीं रखा गया, जब तक किसी ने यह तय नहीं कर लिया कि उसकी जगह वंदे भारत की प्रतिकृति ज़्यादा उपयुक्त लगेगी। संसद सत्रों के दौरान गाड़ी का संसद मार्ग की ओर मुड़ना, और पीछे बैठी वह लड़की उस गोल, ठहरी हुई इमारत को देखती रहती, जो सड़क के इतना करीब लगती थी मानो हाथ बढ़ाकर छू सकती हो। तब भी लोगों पर विश्वास करती हुई, जिनके लिए वह बनाई गई थी।

सर्दियों की धुंध। फ़ुटपाथों पर जामुन के दाग। खुली खिड़कियों से भीतर आती बरसाती हवा। मई में पूरी सड़कों को लाल कर देने वाले गुलमोहर। ऊपर से झरते अमलतास। वह दिल्ली, जिसने खुद को लगातार साबित करना अभी शुरू नहीं किया था। वह बड़ी होती गई और मुझे अपने भीतर कहीं जमा करती गई। लेकिन आज मैं वैसी नहीं रही, जैसी मैंने खुद को उसे दिखाया था।

इस साल की गर्मी चार महीने तक बिना किसी माफ़ी के मेरे सीने पर बैठी रही। मेरे पेड़, जो हाल की कटाइयों से बच पाए, पूरी गर्मी चुप खड़े रहे। उन्होंने सुंदर दिखने की कोशिश तक छोड़ दी थी। वे बस जीवित रहने की कोशिश कर रहे थे। चाणक्यपुरी से होकर गुज़रो, तब समझोगे कि मैं कैसी थी। चौड़ी हरी सड़कें। ऊपर झुकते विशाल पेड़, जैसे कोई भरोसा सिर पर फैला हो। दिल्ली को ऐसे बनाया गया था कि वह साँस ले सके। ऐसी जगहों के साथ, जो अपनी अहमियत जानती थीं।

अब मैं राष्ट्रपति भवन के पीछे नई इमारतों को उठते देखती हूँ। ऊँची, रंगहीन और खुद पर बेहद यक़ीन से भरी हुई। लेकिन वे भरोसा नहीं बढ़ातीं। वे केवल उसे बीच में तोड़ देती हैं। मध्य दिल्ली, जिसे बाकी दुनिया लुटियंस दिल्ली कहती है, में कभी एक गरिमा थी। विरासत में मिली हुई, जटिल, राजनीति से खाली नहीं, फिर भी गरिमा। ऐसी गरिमा जो दशकों में बनती है, जिसे समारोह निभाने के लिए शोर की ज़रूरत नहीं पड़ती। राजस्थान से पत्थर काटकर उन्हें जमा देने भर से आत्मविश्वास नहीं आता। सड़कों के नाम बदल देने, इमारतों को नए नाम दे देने, कर्तव्य पथ और सेवा सदन कह देने भर से किसी शहर का स्वभाव नहीं बनता। स्वभाव धीरे धीरे बनता है। उसमें पीढ़ियाँ लगती हैं। जो आज बनाया जा रहा है, उसे माफ़ करने में भी शायद पीढ़ियाँ लगेंगी।

और फिर राजपथ है।

उसका। उनका। मेरा।

अब वह गर्म पत्थरों और डामर की लंबी पट्टी में बदल चुका है। छोटी छोटी रोशन पोखरें, जिनकी चमक मुझ पर जँचती नहीं। पीली बैरिकेडें उन सड़कों के किनारे खड़ी हैं जो कभी खुली थीं, उदार थीं, लोगों के लिए बनी थीं। बगीचों को स्मारकों में बदल दिया गया। जगह जगह मूर्तियाँ और आकृतियाँ लगा दी गईं, मानो चीज़ों से भर देने भर से किसी शहर को अर्थ मिल जाता हो।

ऐसा नहीं होता।

इससे मैं केवल ऐसी दिखती हूँ जैसे कोई खुद को भूल चुका हो और बहुत कोशिश कर रहा हो कि याद कर सके। उस सड़क पर उठती गर्मी अब केवल मरीचिका नहीं रही। वह मैं हूँ, जलती हुई।

लेकिन यह कहानी सिर्फ इमारतों या बदलते नामों की नहीं है। मैं हमेशा ऐसे बदलावों से बचती रही हूँ। जिस चीज़ से मैं शायद न बच पाऊँ, वह यह है। कहा जा रहा है कि ये बदलाव मुझे उपनिवेशवादी इतिहास से मुक्त करने के लिए किए जा रहे हैं। लेकिन उसी इतिहास ने मुझे बनाया भी था। परतों वाली, सहनशील, मेरी अपनी। और जैसे जैसे उसे हटाया जा रहा है, मैं खुद को भीतर से बिखरता महसूस करती हूँ।मुझे इतनी गहराई तक खोदा गया है कि मैं अपने भीतर का रिसाव सुन सकती हूँ। वे पेड़ गिरते सुनती हूँ जो दशकों से मेरे साथ खड़े थे। अपनी नदियों को घुटते देखती हूँ।

राम ही मेरा धर्म है

– संजय गोस्वामी

राम सभी रिश्तों का सम्मान करते थे चाहें भाई का हो या सिता माँ या दोस्त सुग्रीव । उन्होंने अपने पिता के सम्मान की रक्षा के लिए स्वेच्छा से 14 वर्ष जंगल में बिताने का निर्णय लिया। इस समय उनके सौतेले भाई लक्ष्मण भी उनके साथ वनवासियों के पास गये। राजा दशरथ की तीन पत्नियाँ और चार पुत्र थे; वे सभी एक दूसरे से बहुत प्यार करते थे। उनका प्रेम इतना पवित्र था कि भले ही वे शारीरिक रूप से अलग थे, लेकिन उनके दिल एक थे। राम के एक अन्य भाई भरत को शक्तिशाली सिंहासन दिया गया था, लेकिन उन्होंने कभी भी स्वयं को राजा नहीं माना। इसके बजाय, उन्होंने राम के घर लौटने की प्रतीक्षा की और उन्हें राज्य लौटा दिया। हम सबके लिए यही सीख है कि हमें हमेशा एक परिवार के रूप में एकजुट रहना चाहिए। एकता के फल हमें सबसे बुरे तूफानों से पार पाने की शक्ति देंगे। हर रिश्ता हमारे लिए लालच, क्रोध और शक्ति से ऊपर उठने का एक अवसर है। यदि हम प्रेम को अन्य सभी चीजों से ऊपर मानेंगे तो जीवन के प्रति हमारा मूल्य और सम्मान स्वत: ही बढ़ जाएगा। इसके अलावा, यह हमारी आत्मा को शुद्ध करता है और हमें अच्छे कर्म के मार्ग पर अग्रसर करता है। राम बहुत विनम्र और दयालु थे, इसलिए वह सभी के साथ समान व्यवहार करते थे। उन्होंने तुरन्त ही वे फल भी खा लिए जो बेचारी बूढ़ी शबरी ने खाए थे, जिसके पास देने के लिए शुद्ध प्रेम के अलावा कुछ भी नहीं था। इससे हमें यह सीख मिलती है कि हमें सभी से प्रेम करना चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए। जाति, धर्म, रंग या स्थिति के आधार पर किसी के साथ भेदभाव न करें। भगवान राम ने टीमवर्क पर जोर दिया। उनके समूह में बंदर, भालू और मनुष्य शामिल थे, जिससे वे अच्छे योद्धा बन गये।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर

– हर्षवर्धन पान्डे

भारत अपनी गौरवशाली संस्कृति, इतिहास और परंपराओं के लिए दुनिया में जाना जाता है। यहाँ अनेक ऐसे योद्धा, शासक, शासिकाओं और वीरांगनाओं ने जन्म लिया है जिनका नाम लोककल्याण जैसे अनेक कार्यों में आज भी गर्व के साथ लिया जाता है। इनमें से अहिल्याबाई होल्कर का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। देश में जब भी किसी महिला का जीवन आदर्श, वीरता, त्याग , राष्ट्रभक्ति के लिए सदा याद किया जाता है, उनमें रानी अहिल्याबाई होल्कर अग्रणी हैं। वे 18वीं शताब्दी की एक ऐसी प्रेरणादायक महिला थी जिनका पूरा जीवन आज समाज के लिए बड़ी प्रेरणा का स्त्रोत है। होल्कर राजवंश का इतिहास जितना समृद्ध रहा है, उतनी ही अहिल्याबाई होल्कर की विरासत लोककल्याण के कार्यों के लिए जानी जाती है।

कुशल प्रशासन एवं कर्तव्यपरायणता जैसे अपने अनेक मानवीय गुणों के कारण अहिल्याबाई होल्कर के द्वारा कराये गए अनेक कार्य देश में आज भी बड़े गर्व और आदर के साथ याद किये जाते हैं। उन्होंने अपने जीवनकाल में कभी कहीं कोई समझौता नहीं किया। पूरी कर्तव्यनिष्ठा व अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए लोककल्याण एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति संकल्पबद्ध होकर हर पल का सदुपयोग ही किया शायद यही वजह थी कि समाज के बीच उनकी एक अलग ही विशिष्ट पहचान और प्रतिष्ठा थी। भारतीय संस्कृति एवं लोककल्याण के कार्यों के प्रति उन उनका सम्मान का भाव उनके द्वारा किए गए अनेकानेक कार्यों में देखा जा सकता था। हमारी संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन हेतु जन

-जन को प्रेरित व प्रोत्साहित करना उनका स्वाभाविक गुण था। सचमुच उनका जीवन आज समाज के लिए प्रेरणा व प्रोत्साहन का अविरल स्त्रोत है। ऐसी महान धर्म प्रेमी, संस्कृति प्रेमी व मानवता प्रेमी कर्मयोगी शासिका के जीवन से आज हर किसी को प्रेरणा लेने की जरूरत है।

अहिल्याबाई होलकर का जन्म 31 मई, 1725 को अहमदनगर, महाराष्ट्र के गाँव छौंदी में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। एक साधारण से किसान परिवार में जन्मी अहिल्याबाई होलकर छोटी उम्र से ही अपनी संस्कृति पर गर्व करती थी, साथ ही प्रजा में रह रहे आमजनों की पीड़ा की अनुभूति भी करती थी। इनके पिता मनकोजी राव शिन्दे शिवभक्त थे। पिता के संस्कार बालिका अहिल्या पर भी पड़े। उनके पिता मानकोजी शिंदे खुद धनगर समाज से थे, जो गांव के पाटिल की भूमिका निभाते थे। अहिल्याबाई का जीवन भी बहुत साधारण तरीके से गुजर रहा था लेकिन एकाएक किस्मत ने पलटी खाई और वह 18वीं सदी में मालवा प्रांत की रानी बन गई। अहिल्याबाई होल्कर ने मालवा प्रांत की महारानी बनकर राजमाता के रूप में बड़ी लकीर खींची।

युवा अहिल्यादेवी का चरित्र और सरलता ने मल्हार राव होल्कर को भी प्रभावित किया। वे पेशवा बाजीराव की सेना में एक कमांडर के तौर पर काम करते थे। उन्हें अहिल्या इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने उनकी शादी अपने बेटे खांडे राव से करवा दी। इस तरह अहिल्या बाई एक दुल्हन के तौर पर मराठा समुदाय के होल्कर राजघराने में पहुंची। उनके पति की मौत 1754 में कुंभेर की लड़ाई में हो गई थी। ऐसे में अहिल्यादेवी पर जिम्मेदारी आ गई। उन्होंने अपने ससुर के कहने पर न केवल सैन्य मामलों में बल्कि प्रशासनिक मामलों में भी रुचि दिखाई और प्रभावी तरीके से उन्हें अंजाम दिया। शादी के बाद उनका एक पुत्र और एक पुत्री हुई। वहीं कुछ सालों बाद ही अहिल्याबाई के पति का देहांत हो गया। इसके कुछ समय बाद ही 1766 में उनके ससुर मल्हारराव होल्कर की भी मृत्यु हो गई। जिसके बाद उन्होंने सत्ता को संभालने का भार अपने ऊपर ले लिया। शासन संभालने के कुछ दिनों बाद ही साल 1767 में उनके जवान पुत्र मालेराव की भी मृत्यु हो गई। पति, पुत्र , पुत्री , पुत्रवधू और पिता समान ससुर को खोने के बाद भी उन्होंने जिस तरह साहस और धैर्य से अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया, वो सराहनीय है। इस संकटकाल में एक तपस्विनी की तरह से श्वेत वस्त्र धारण कर राजकाज चलाया और परिवार पर भीषण वज्रघात के बाद भी रानी अविचलित रहते हुए अपने कर्तव्यपथ पर हमेशा डटी रही।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। रिश्तेदार आज आपको बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से पार्टनरशिप करने पर विचार करेंगे।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज पैसों के लेन देन में सावधानी बरतें। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोड़ा अधिक मेहनत करने की जरूरत है। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज नए लोगों के साथ जुड़ने से आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। लवमेट आज अपने रिश्ते के बारे में घरवालों को बताएंगे, घरवाले इस पर विचार भी करेंगे। इस राशि के कैमिस्ट शॉप वाले लोगों को अच्छा मुनाफा होगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनाएंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा। आपका पुराना दोस्त आपको फोन कर के सरप्राइज देगा। आपकी किसी जरूरी बात पर घर वाले सहमति जतायेंगे। तरक्की आज आपके कदम चूमेगी। आपको अपना कारोबार बढ़ाने के लिए आज कई मौके मिलेंगे।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगे। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है। आपके काम की शिकायत हो सकती है।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज आप अपने घरेलू कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। आज आपके सकारात्मक रवैये से जीवनसाथी प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन करने जायेंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा करायेगी। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशहाली आएगी। जीवनसाथी के साथ अच्छी मूवी देखने का मन बनायेंगे।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज बिना सोचे समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। इस राशि के छात्रों को आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। किसी विषय को समझने में आपको अपने सहपाठियों से सहयोग मिलेगा। आज पड़ोसी आपके कार्यों को पूरा करने में आपकी सहायता करेंगे।

कुंभ राशि:कुंभ राशि वालों आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिये अपनी बेहतरीन राय देंगे। बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे। आपका लेखन और अच्छा होगा।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है। बेटी के ससुराल पक्ष से बड़ी खुशखबरी मिलेगी। बच्चे आज अपनी पढ़ाई के प्रति सीरियस रहेंगे।

बुद्ध के मुख्य शिष्यों की पवित्र विरासत

श्री विवेक अग्रवाल

लेखक भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय में सचिव हैं

बुद्ध के दो मुख्य शिष्यों - अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान - के पवित्र अवशेष 1 से 10 जून तक उलानबटोर के गंदन मठ में प्रदर्शनी के लिए भारतीय वायुसेना (IAF) के एक विशेष विमान से मंगोलिया ले जाए जाएंगे ।

दो सहस्राब्दियों से अधिक समय से, बौद्ध जगत में अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के नाम अत्यधिक श्रद्धा के केंद्र रहे हैं । गौतम बुद्ध के दो मुख्य शिष्यों के रूप में, वे न केवल बुद्ध के सबसे करीबी आध्यात्मिक साथी थे, बल्कि उनके ज्ञानोदय के बाद धम्म के प्रमुख रक्षक और प्रसारक भी थे ।

बौद्ध परंपरा के अनुसार, सारिपुत्त और महामोग्गल्लान का जन्म वर्तमान नालंदा के पास, मगध क्षेत्र के पड़ोसी गांवों में एक ही दिन हुआ था । सारिपुत्त का जन्म उपतिस्स गांव में हुआ था, जबकि महामोग्गल्लान का जन्म कोलित गांव में हुआ था । बचपन की दोस्ती के बंधन में बंधे इन दोनों जिज्ञासुओं ने अंतत: परम सत्य की खोज में एक साथ सांसारिक जीवन का त्याग कर दिया । उनकी आध्यात्मिक यात्रा बुद्ध के सानिध्य में पूरी हुई, जहाँ वे जल्द ही प्रारंभिक संघ के दो सबसे प्रतिष्ठित सदस्यों के रूप में उभरे ।

सारिपुत्त को ज्ञान और सैद्धांतिक विश्लेषण के सर्वोच्च गुरु के रूप में जाना जाता था । बौद्ध ग्रंथ उन्हें असाधारण बौद्धिक स्पष्टता और करुणा एवं सटीकता के साथ शिक्षाओं को समझाने की अद्वितीय क्षमता से संपन्न बताते हैं । उन्होंने भिक्षुओं के अनुशासन की देखरेख की, ध्यान साधना का मार्गदर्शन किया और स्वतंत्र रूप से भिक्षुओं को दीक्षित करने वाले पहले अधिकृत शिष्य बने । बुद्ध के सीधे निर्देश के बाद, बुद्ध के पुत्र राहुल को सारिपुत्त द्वारा एक नवदीक्षित भिक्षु (सामनेर) के रूप में दीक्षित किया गया था । उनके नेतृत्व और धम्म पर असाधारण पकड़ के कारण, बुद्ध ने उन्हें धम्म का सेनापति (धम्मसेनापति) की उपाधि दी थी ।

थेरवाद बौद्ध परंपरा के अनुसार, ज्ञान प्राप्त करने के बाद बुद्ध ने तावतिंस स्वर्ग में अपनी माता (जिनका वहां पुनर्जन्म हुआ था) सहित देवताओं को अभिधम्म की शिक्षा दी थी । इस अवधि के दौरान, बुद्ध हर दिन कुछ समय के लिए मानव लोक में लौटते थे, जहाँ वे सारिपुत्त को उन शिक्षाओं का सारांश सुनाते थे, और फिर सारिपुत्त उन शिक्षाओं को व्यवस्थित रूप से जन-जन तक पहुँचाते थे ।

इसके विपरीत, महामोग्गल्लान को ध्यान और आध्यात्मिक उपलब्धियों के अग्रणी गुरु के रूप में सम्मान प्राप्त था । बौद्ध साहित्य में उन्हें गहन ध्यान शक्तियों और अस्तित्व के विभिन्न लोकों को देखने की क्षमता से युक्त बताया गया है । देवताओं, ब्रह्मों और दुखी अवस्थाओं में कष्ट भोग रहे जीवों के साथ अपने संवादों के माध्यम से, उन्होंने कर्म के सिद्धांतों और संसार की वास्तविकताओं को स्पष्ट किया । उनकी शिक्षाओं ने अनुयायियों को मानवीय कर्मों के नैतिक और आध्यात्मिक परिणामों की स्पष्ट समझ प्रदान की । गौतम बुद्ध ने अरहंत महामोग्गल्लान पर एक शिक्षक, आध्यात्मिक मार्गदर्शक और प्रारंभिक संघ के रक्षक के रूप में गहरा भरोसा किया, जो अक्सर अनुशासन और सामुदायिक नेतृत्व के मामलों में बुद्ध की ओर से कार्य करते थे । उन्होंने देवदत्त द्वारा पैदा किए गए संघ-भेद (विभाजन) को दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे भिक्षुओं को बुद्ध के साथ फिर से एकजुट करने और बौद्ध समुदाय की एकता को बनाए रखने में मदद मिली ।

पवित्र अवशेष और उनकी चिरस्थायी श्रद्धा

अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान का परिनिर्वाण बुद्ध और बौद्ध संघ के लिए एक अत्यंत भावुक क्षण था । अरहंत सारिपुत्त ने बुद्ध के महापरिनिर्वाण से कुछ समय पहले, कत्तिका/कार्तिक (अक्टूबर/नवंबर) महीने की पूर्णिमा को अंतिम मुक्ति (परिनिर्वाण) प्राप्त की, जबकि परंपरा के अनुसार अरहंत महामोग्गल्लान का परिनिर्वाण लगभग पंद्रह दिन बाद, उसी महीने की अमावस्या को हुआ था ।

बौद्ध परंपरा में, उन्हें आध्यात्मिक प्राप्ति का पवित्र प्रतीक और ज्ञानोदय का जीवंत स्मरण माना जाता है । इसलिए, अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के पवित्र अवशेष असाधारण महत्व रखते हैं, जो बुद्ध धम्म के त्रिरत्नों में से एक-संघ की साक्षात प्राप्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं । विभिन्न बौद्ध संस्कृतियों में, ये पवित्र अवशेष आज भी भक्ति, तीर्थयात्रा और आत्मचिंतन को प्रेरित करते हैं । उनका आदर प्राचीन भारत से आधुनिक विश्व तक बुद्ध की शिक्षाओं की निरंतरता का प्रतीक है । इस गहरी श्रद्धा का एक भव्य नजारा फरवरी 2024 में थाईलैंड में देखा गया, जो हाल के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध राजकीय समारोहों में से एक था ।

थाईलैंड की ऐतिहासिक 2024 अवशेष प्रदर्शनी

अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के अवशेष 23 फरवरी 2024 को पहली बार भारत से बाहर गए, जब थाईलैंड ने बैंकॉक के सनम लुआंग में बुद्ध के पवित्र अवशेषों के साथ-साथ अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के अवशेषों की स्थापना के लिए एक भव्य राजकीय समारोह का आयोजन किया था । इस ऐतिहासिक आयोजन की संयुक्त अध्यक्षता सोमदेत फ्रा संघराजा सकल महा संघपरिणायक और प्रधान मंत्री स्रेत्था थाविसिन ने की थी । रॉयल थाई सरकार और भारत सरकार के सहयोग से गंगा-मेकांग पवित्र बुद्ध अवशेष पहल के तहत आयोजित यह प्रदर्शनी, महा वजिरालोंगकोर्न की छठी-चक्र वर्षगांठ के शुभ अवसर पर आयोजित उत्सवों का हिस्सा थी । भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC) ने भारत से भिक्षुओं और शिक्षाविदों को लाने और बैंकॉक के सिल्पकर्न विश्वविद्यालय में एक पूर्ण दिवसीय विपश्यना कार्यक्रम आयोजित करके इस प्रदर्शनी के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

राष्ट्रीय समाचार

महाराष्ट्र के परभणी में बाइक-बस की आमने-सामने की टक्कर में चार लोगों की मौत

मुंबई, (आरएनएस)। महाराष्ट्र के परभणी जिले में एक मोटरसाइकिल और एक निजी बस के बीच हुई भीषण टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना व्यस्त परभणी-पाथरी मार्ग पर राहुल जिनिंग के पास अंधारवाड़ मारुति मंदिर क्षेत्र के नजदीक हुई। अधिकारियों ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। अधिकारियों के अनुसार, श्रीनिधि ट्रेवल्स की बस परभणी से पुणे जा रही थी। इसी दौरान बस ने राहुल जिनिंग के पास आ रही बाइक को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल पर सवार चारों लोगों की मौत हो गई। मृतकों के नाम शुभम अप्पाराव दाहे (30), विष्णु गोरे (28), प्रहलाद अशोकराव कुटे (29) और नवनाथ शामराव जाधव (38) हैं। तेज टक्कर की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि कुछ ही देर बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई जब उत्तेजित भीड़ ने कथित तौर पर दुर्घटनाग्रस्त निजी बस को नुकसान पहुंचाया। पुलिसकर्मी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए हस्तक्षेप किया, जिससे अंततः हालात नियंत्रण में आ गए।

पुलिस सबइंस्पेक्टर (पीओआई) किशन पटांगे, प्रमोद देवकाटे और पुलिसकर्मियों ने स्थानीय नागरिकों की मदद से घायलों और मृतकों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। इस दुर्घटना के कारण राजमार्ग पर यातायात कुछ समय के लिए बाधित रहा, लेकिन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यातायात बहाल कर दिया।

इस दुर्घटना के कारण परभणी-पाथरी राजमार्ग पर अस्थायी रूप से यातायात बाधित हुआ, जिससे यातायात जाम हो गया और यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ा।

दुर्घटना के बाद पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए मनावत के ग्रामीण अस्पताल भेज दिया है। मृतकों के परिजनों और आम नागरिकों की भारी भीड़ देर रात तक अस्पताल परिसर में जमा रही। एक ही गांव के चार लोगों की इस हादसे में मौत से मनावत कस्बे और आसपास के इलाकों में गहरा शोक छाया हुआ है।

पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। इस सड़क पर लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं, पिछले महीने में कुल 9 लोगों की जान जा चुकी है।

सलमान खान-सलीम खान को धमकाने वाला लखनऊ से गिरफ्तार, खुद को बताता था छोटा शकील का गुर्गा

नई दिल्ली (आरएनएस)। फिल्मों में काम मांगने के लिए अभिनेता सलमान खान के पिता सलीम खान और पीए को फोन कर धमकाने व चेन लूट के आरोपी हिस्ट्रीशीटर को गाजीपुर थाने की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी खुद को अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील का गुर्गा बताता था।

इंस्पेक्टर राजेश मौर्या ने बताया कि आरोपी प्रयागराज के शाहगंज के मो. शाहरुख पर 25 हजार रुपये का इनाम था। उसने तीन सप्ताह पहले इंदिरानगर में इरम स्कूल के पास महिला की चेन लूटी थी। पुलिस की टीम बृहस्पतिवार को बंधा रोड पर मजार के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी बिना नंबर प्लेट की बाइक आते दिखी। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो बाइक चला रहा शाहरुख भागने लगा, लेकिन वह पकड़ में आ गया। उससे लूटी चेन, आठ हजार रुपये बरामद हुए हैं।

शाहरुख के खिलाफ करेली, खुल्दाबाद, शाहगंज और धूमनगंज थानों में रंगदारी, हत्या का प्रयास, बमबाजी, जैसे 20 मामले हैं। वर्ष 2018 में उसने सलमान खान के पिता सलीम खान, पीए को धमकी दी थी। बांद्रा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार भी किया था। अगस्त 2019 में शाहरुख ने कारोबारी हमदान पर जानलेवा हमला भी किया था। वह कई बार मुठभेड़ में पकड़ा जा चुका है

400 मीटर गहरी खाई में गिरी कार, 3 लोगों की थमी सांसें, तीन गंभीर घायल

चमोली ,(आरएनएस)। जिले में रफ्तार का कहर देखने को मिला है. तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी. घटना में कार सवार 3 लोगों की मौत हो गई. वहीं 3 गंभीर रूप से घायल हुए हैं. हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया. पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए भिजवाया.

बता दें कि घटना देवाल के ल्वाणी गांव में उस वक्त घटी, जब 6 लोग कार में सवार होकर देहरादून से देवाल के वाक गांव जा रहे थे. इसी दौरान कार अनियंत्रित हुई और सीधे 400 मीटर गहरी खाई में जा समाई. वहीं हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और गांव के लोग मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाते हुए बाहर निकाला और पीएम के लिए भेजा. घटना में मरने वालों की पहचान बलवीर सिंह (52), शांति देवी (48) और अंशु बिष्ट (18) के रूप में हुई है. वहीं तीन घायलों का इलाज जारी है. पुलिस घटना की जांच में जुट गई है. जांच के बाद ही घटना के पीछे का असल कारण पता चल सकेगा।

चीन की नई चाल : शिनजियांग के रेगिस्तान में बना रहा विशाल सैन्य ढांचा; सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। चीन के शिनजियांग क्षेत्र के दूरदराज रेगिस्तानी इलाके में बड़े पैमाने पर सैन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण की खबरों ने वैश्विक सुरक्षा विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया है। रक्षा विश्लेषकों का मानना है कि यह परियोजना चीन की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता (Nuclear Deterrence) को मजबूत करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा हो सकती है, ताकि किसी संभावित हमले की स्थिति में भी उसकी जवाबी कार्रवाई की क्षमता बरकरार रहे।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स द्वारा प्रकाशित हालिया सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण के अनुसार, चीन भूमिगत मिसाइल साइलो के आसपास लॉन्च पैड, बंकर और संचार केंद्रों का विस्तृत नेटवर्क विकसित कर रहा है। माना जा रहा है कि इन क्षेत्रों में लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें तैनात की जा सकती हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, यह नया सैन्य ढांचा शिनजियांग के पूर्वी रेगिस्तान में स्थित दो अष्टकोणीय परिसरों के आसपास विकसित किया जा रहा है। सैटेलाइट तस्वीरों में इन परिसरों के भीतर

सैन्य वाहनों और कर्मियों के लिए सुविधाएं दिखाई देती हैं। इनके आसपास बख्तरबंद बंकर, हथियार भंडारण केंद्र, हवाई पट्टियां और रेलवे नेटवर्क भी विकसित किए गए हैं, जो इन्हें प्रमुख मिसाइल ठिकानों से जोड़ते हैं।

सुरक्षा विशेषज्ञों के विश्लेषण के अनुसार, इस क्षेत्र में मोबाइल मिसाइल लॉन्चरों और वायु रक्षा प्रणालियों के संचालन के लिए 80 से अधिक कंक्रीट प्लेटफॉर्म तैयार किए गए हैं। इसके अलावा, यहां ऐसी संरचनाएं भी देखी गई हैं जिनका उपयोग इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, उपग्रह संचार और सैन्य कमांड एवं नियंत्रण गतिविधियों के लिए किया जा सकता है।

फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स के न्यूक्लियर इंफॉर्मेशन प्रोजेक्ट के निदेशक हंस क्रिस्टेंसन ने इस परियोजना को असाधारण बताया है। उनका कहना है कि इतने दुर्गम इलाके में इतने बड़े पैमाने पर सैन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण अत्यंत उल्लेखनीय है।

वहीं, हवाई स्थित पैसिफिक फोरम थिंक टैंक के विश्लेषक अलेक्जेंडर नील के अनुसार, यह निर्माण केवल मिसाइल साइलो क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि हजारों वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ दिखाई देता है। उनके मुताबिक, यह चीन के रणनीतिक परमाणु प्रतिरोध को अधिक मजबूत और बहुस्तरीय बनाने की दिशा में उठाया गया कदम हो सकता है।यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन के बीच तनाव लगातार बना हुआ है। दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच चीन की सैन्य तैयारियों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करीबी नजर रखी जा रही है।

3 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं डीके शिवकुमार, मंत्रिमंडल में भी बड़ा फेरबदल

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक की राजनीति में जारी हलचल के बीच नेतृत्व परिवर्तन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार 3 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। उनके साथ 10 अन्य मंत्रियों के भी शपथ लेने की संभावना जताई जा रही है। इसके बाद 18 जून के बाद मंत्रिमंडल विस्तार किया जा सकता है।

सूत्रों का कहना है कि राज्यसभा चुनाव के बाद कर्नाटक सरकार के मंत्रिमंडल के विस्तार की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। इस बीच राज्य सरकार में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चाएं तेज हैं और कांग्रेस नेतृत्व शनिवार को होने वाली कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की महत्वपूर्ण बैठक की तैयारी में जुटा हुआ है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, डीके शिवकुमार की संभावित कैबिनेट में करीब 50 प्रतिशत नए चेहरों को जगह मिल सकती है। वहीं, कर्नाटक विधान परिषद में कांग्रेस के मुख्य सचेतक सलीम अहमद ने शुक्रवार को कहा कि मंत्रिमंडल गठन, क्षेत्रीय और सामाजिक (जातीय) प्रतिनिधित्व तथा संभावित उपमुख्यमंत्रियों की नियुक्ति से जुड़े अंतिम फैसले सीएलपी बैठक के बाद कांग्रेस आलाकमान द्वारा लिए जाएंगे।बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला के शामिल होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर औपचारिक घोषणा की जा सकती है।

फर्जी दस्तावेजों से पैतृक भूमि हड़पने के षड्यंत्र का खुलासा, दो वांछित आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (आरएनएस)। मोहनलालगंज थाना पुलिस ने फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर करोड़ों रुपये मूल्य की पैतृक भूमि हड़पने के कथित षड्यंत्र में शामिल दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे और उनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी।पुलिस के अनुसार 11 दिसंबर 2025 को ख्यालीगंज, कैसरबाग निवासी समीर मिर्जा की शिकायत पर मोहनलालगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि ग्राम अमेठी, तहसील मोहनलालगंज स्थित उनकी पैतृक भूमि पर फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार कर अवैध दावा प्रस्तुत करते हुए कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है।विवेचना के दौरान सामने आया कि मुख्य आरोपी मोहम्मद फरीद मिर्जा ने स्वयं को वादी के दिवंगत चाचा खुसरू मिर्जा का वारिस दिखाने के लिए कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार कराए। आरोप है कि इसके लिए उसने वास्तविक पारिवारिक विवरण छिपाकर फर्जी जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र तथा अन्य दस्तावेज तैयार कर न्यायालय और अन्य मंचों पर प्रस्तुत किए। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने अपनी जीवित मां को मृत दर्शाते हुए फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार कराया और कथित दफन से संबंधित भ्रामक दस्तावेजों का भी उपयोग किया।पुलिस के अनुसार संबंधित विभागों और संस्थाओं से प्राप्त रिपोर्ट में इन अभिलेखों के फर्जी और कूटरचित होने की पुष्टि हुई है। साक्ष्य संकलन के दौरान यह भी प्रकाश में आया कि कथित षड्यंत्र में कई अन्य लोगों की सक्रिय भूमिका रही। आरोपियों ने स्वयं को वादी पक्ष का रिश्तेदार बताकर संपत्ति पर दावा मजबूत करने का प्रयास किया तथा भूमि विक्रय अनुबंधों से प्राप्त धनराशि विभिन्न बैंक खातों में हस्तांतरित की गई।प्रकरण में पूर्व में मोहम्मद फरीद मिर्जा, मोहम्मद अशफाक मिर्जा उर्फ बाबू मियां और कलीम खां को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं फरार चल रहे फुरकान अहमद अब्बासी और अभिषेक यादव की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी।

सीएम रेखा गुप्ता का बड़ा ऐलान, नीट परीक्षार्थियों के लिए फ्री में डीटीसी बस में सफर

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 21 जून परीक्षा के दिन सभी परीक्षार्थी निशुल्क डीटीसी की बसों में यात्रा कर सकेंगे और अपने-अपने सेंटर पहुंच सकेंगे। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए परीक्षार्थियों को केवल अपना वैध नीट एडमिट कार्ड बस कंडक्टर को दिखाना होगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि हाल ही में नीट परीक्षा के रद्द होने के कारण अनेक परीक्षार्थियों को दोबारा नीट परीक्षा देनी पड़ रही है। ऐसे में परीक्षार्थियों और उनके परिवारों पर अतिरिक्त मानसिक, समयगत और आर्थिक दबाव पड़ना स्वाभाविक है। दिल्ली सरकार परीक्षार्थियों की इन चुनौतियों को समझते हुए उनके साथ खड़ी है। सरकार का प्रयास है कि परीक्षा के दिन परीक्षार्थियों को परिवहन संबंधी किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसी उद्देश्य से 21

जून को सभी नीट परीक्षार्थियों के लिए डीटीसी बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी ताकि वे बिना किसी अतिरिक्त तनाव के समय पर अपने एग्जाम सेंटर पहुंच सकें और पूरी एकाग्रता एवं आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दे सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे युवाओं का समय, परिश्रम और भविष्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि परीक्षार्थियों को उनकी शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान हरसंभव सहयोग और सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

जमीन विवाद ने लिया खूनी रूप, एक ही परिवार के 5 सदस्यों समेत 6 की हत्या; 2 गंभीर घायल

बेंगलुरु/विजयपुरा ,(आरएनएस)। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में जमीन विवाद को लेकर हुई हिंसक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। जिले के चडाचन पुलिस थाना क्षेत्र के गोविंदपुरा गांव में शुक्रवार दोपहर एक ही परिवार के 5 सदस्यों समेत 6 लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल

हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और एहतियात के तौर पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुलिस के अनुसार, यह वारदात शुक्रवार दोपहर करीब 2 से 2:30 बजे के बीच हुई। मृतकों की पहचान दुंडप्पा रेवनसिद्दप्पा निराले (65), शिवपुत्र रेवनसिद्दप्पा निराले (58), चंद्रकांत उर्फ चंदू रेवनसिद्दप्पा निराले (55), राहुल शिवपुत्र निराले (25), समर्थ शिवपुत्र निराले (23) और शब्बीर बाबूसाब अत्तर (45) के रूप में हुई है। वहीं, अरविंद कटागे (72) और जेसीबी ऑपरेटर संदीप माने (33) गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों का विजयपुरा शहर के एक अस्पताल में उपचार चल रहा है।

पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण निंबर्गी ने बताया कि घटना के पीछे 25 एकड़ जमीन को लेकर लंबे समय से चला आ रहा विवाद मुख्य कारण माना जा रहा है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, निराले परिवार ने हाल ही में नीवरगी के तेली परिवार से यह जमीन खरीदी थी। यह भूमि पिछले लगभग 15 वर्षों से विवादों में घिरी हुई थी, जिसके कारण तेली परिवार उस पर खेती नहीं कर पा रहा था।

इस साल सामान्य से कम बरसेगा मॉनसून, जून में झुलसाएगी भीषण हीटवेव; IMD की नई भविष्यवाणी ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने देश में इस साल होने वाली मॉनसूनी बारिश को लेकर एक बेहद चिंताजनक भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को आयोजित एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ किया है कि जून से सितंबर के दौरान होने वाली मॉनसूनी बारिश इस बार सामान्य से कम रहने वाली है। इससे पहले आईएमडी ने 13 अप्रैल को अपना पहला पूर्वानुमान जारी किया था। आज जारी किए गए दूसरे विस्तृत पूर्वानुमान में मौसम विभाग ने 'लॉन्ग रेंज रेन फॉल' के 90 प्रतिशत रहने की संभावना जताई है, जिसमें 4 प्रतिशत का प्लस-माइनस (मॉडल त्रुटि) रखा गया है। देश के लगभग सभी क्षेत्रों में इस बार औसत से कम बारिश होगी और इसके पीछे 'सुपर अल-नीनो' के प्रभाव को मुख्य कारण बताया गया है।

देश के अलग-अलग हिस्सों में कैसा रहेगा मॉनसून का हाल?

मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सीजन के दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का वितरण काफी असमान और चिंताजनक रहने वाला है। उत्तर-पूर्व भारत (North-East India) एकमात्र ऐसा क्षेत्र है, जहां इस साल सामान्य बारिश होने का पूर्वानुमान लगाया गया है, जो 'लॉन्ग पीरियड एवरेज' (LPA) का 94% से 106% तक हो सकती है। इसके विपरीत, देश के बाकी सभी प्रमुख हिस्सों में स्थिति चुनौतीपूर्ण रहेगी। मध्य भारत और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में इस बार सामान्य से कम पानी बरसने की आशंका है। वहीं, उत्तर-पश्चिम भारत में एलपीए (LPA) का महज 92% यानी औसत से काफी कम बारिश होने का अनुमान है। सबसे ज्यादा चिंता 'मॉनसून कोर जोन' को लेकर है, जो मध्य भारत का वह प्रमुख हिस्सा है जहां की पूरी खेती सिर्फ और सिर्फ मानसूनी बारिश पर निर्भर करती है; इस ज़ोन में भी इस बार सामान्य से कम बारिश की मार झेलनी पड़ेगी। आईएमडी के महानिदेशक (D G) डॉ. एम. महापात्र ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जून 2026 के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में मासिक अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक रहने की आशंका है। हालांकि, राहत की बात सिर्फ इतनी है कि मध्य, उत्तर-पश्चिम और पूर्व भारत के कुछ सीमित हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य या उससे थोड़ा कम दर्ज किया जा सकता है।

झारखंड में आकाशीय बिजली का कहर: 5 लोगों की मौत, रांची सहित 13 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

रांची,(आरएनएस)। झारखंड के चार जिलों में पिछले 24 घंटों में बिजली गिरने से एक लड़की और दो महिलाओं सहित पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को गढ़वा जिले से दो मौतें और रांची, धनबाद और बोकारो से एक-एक मौत की सूचना मिली।

अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को रांची के इटकी पुलिस स्टेशन क्षेत्र के कुल्ली गांव में अपने माता-पिता के साथ पेड़ से आम तोड़ रही 12 वर्षीय लड़की अश्रिता की बिजली गिरने से मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि उसके माता-पिता घायल हो गए और उन्हें स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। वहीं गढ़वा में कंडी पुलिस स्टेशन क्षेत्र के गराखुर्द गांव में बिजली गिरने से 45 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि बानाजंघा गांव में 32 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई।

अखिलेश का भाजपा पर तंज, बोले- काला चश्मा लगाकर जनता को गुमराह करने वाले, अब जाने वाले

लखनऊ ,(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोपों की लंबी फेहरिस्त गिनाई। अखिलेश ने कानून-व्यवस्था, बुलडोजर कार्रवाई, आरक्षण, पीडीए वर्ग, पत्रकारों, अधिवक्ताओं, शिक्षामित्रों, आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और किसानों के मुद्दों को उठाते हुए सरकार को जनविरोधी बताया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, काला चश्मा लगाकर जनता को गुमराह करने वाले अब जाने वाले हैं, लौटकर नहीं आने वाले हैं। सपा प्रमुख ने दावा किया कि प्रदेश की जनता बदलाव का मन बना चुकी है और आने वाले चुनावों में भाजपा को जवाब देगी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कविता के माध्यम से लिखा, काला चश्मा लगाकर आने वाले, अपने सच्चे मुकदमे हटवाने वाले। झूठे-फर्ज़ी मुक़दमे लगवाने वाले घमंड में रावण तक को हराने वाले। नमस्ते का भी संबंध न निभानेवाले, बुलडोज़र से घर-दुकान ढहाने वाले, बिजली-पानी के लिए सताने वाले, पत्रकार पर अपशब्द बरसाने वाले, 'हाता नहीं भाता' नीति चलाने वाले, वनस्पति-खोज में विदेश जाने वाले, अपना झूठा महाप्रचार करवाने वाले, अधिवक्ताओं पे लाठी चलवाने वाले...।

उन्होंने कविता के जरिए आगे तंज कसते हुए कहा, मणिकर्णिका का घाट तुड़वाने वाले, सत्ता सजातीय पे कृपा बरसाने वाले, सांप्रदायिकता का विष फैलाने वाले, 'पीडीए' पर घोर जुल्म करवाने वाले, आरक्षण पे अपनी कैंची चलाने वाले, शिक्षकों से भूसे का दान जुटाने वाले, झूठे आश्वासन पे

शासन चलाने वाले, सबकी मांगों पर केवल टरकाने वाले, आशा-आंगनबाड़ी को भटकाने वाले, शिक्षामित्रों का मानदेय घटवाने वाले, संतो तक पर झूठे आरोप लगाने वाले, फर्ज़ी एनकाउंटर का राज चलानेवाले..।

अपनी कविता का समापन करते हुए सपा प्रमुख ने लिखा, अब हैं जाने वाले, लौटकर न आने वाले। उन्होंने संकेत दिया कि जनता आगामी चुनावों में सत्ता परिवर्तन का फैसला करेगी। सपा प्रमुख का यह बयान ऐसे समय आया है, जब प्रदेश में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो रही हैं और विभिन्न दल चुनावी रणनीति को धार देने में जुटे हैं।

अगर सड़क पर नमाज गलत तो सभी त्योहारों के जश्न पर भी लगाओ रोक, ओवैसी ने लगाया डबल स्टैंडर्ड का आरोप

नई दिल्ली (आरएनएस)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि अगर सड़कों पर नमाज पढ़ना गलत है तो सभी धर्मों की धार्मिक गतिविधियों पर भी समान रूप से पाबंदियां लागू होनी चाहिए। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 25 का हवाला दिया, जो धर्म की स्वतंत्रता और अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से पालन करने और उसे मानने के अधिकार की गारंटी देता है।

ईद मिलाप कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ओवैसी ने तर्क दिया कि नमाज पर लोगों की आपत्तियां एक दोहरे मापदंड (double standard) को दर्शाती हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अन्य समुदायों द्वारा आयोजित धार्मिक जुलूसों और सभाओं पर इसी तरह की चिंताएं क्यों नहीं उठाई जातीं

प्रत्येक सैनिक को ड्रोन उड़ाने में सक्षम होना चाहिए, कैडेटों को भविष्य के युद्धक्षेत्रों के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा : सेना प्रमुख

पुणे, (आरएनएस)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों के प्रत्येक सैनिक के पास ड्रोन संचालित करने की क्षमता होनी चाहिए। कैडेटों और सैन्यकर्मियों को भविष्य के युद्धक्षेत्रों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से उन्हें ड्रोन प्रणालियों, सिमुलेटरों और ड्रोन-रोधी प्रौद्योगिकियों का व्यापक प्रशिक्षण तथा व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जा रहा है। पुणे स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के 150वें बैच की पासिंग आउट परेड (पीओपी) के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईएएनएस के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए जनरल द्विवेदी ने ड्रोन युद्ध के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सेना ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई पहल की हैं कि सैनिक ऐसे सिस्टम संचालित करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस हों।उन्होंने कहा,सेना प्रमुख का पदभार संभालने के बाद मैंने ईगल ऑन द आर्म का विचार रखा था। इसका अर्थ है कि प्रत्येक सैनिक के हाथ में एक ईगल होना चाहिए। जब मैं यह कहता हूं तो मेरा तात्पर्य किसी पक्षी से नहीं, बल्कि ड्रोन से होता है। इसका मतलब है कि प्रत्येक सैनिक में ड्रोन संचालित करने की क्षमता होनी चाहिए। जनरल द्विवेदी ने बताया कि सैन्य संस्थानों और अकादमियों में ड्रोन संचालन से संबंधित प्रशिक्षण अवसंरचना को लगातार मजबूत किया जा रहा है।

ईरान-अमेरिका समझौते पर फैसला टला, ट्रंप की दो घंटे की बैठक बेनतीजा खत्म

नई दिल्ली(ए.)। वैश्विक ऊर्जा बाजार में बढ़ती कीमतों और नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले बढ़ते राजनीतिक दबाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में ईरान से जुड़े मुद्दों पर उच्चस्तरीय बैठक की। करीब दो घंटे तक चली इस बैठक के बाद कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया।प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौता करीब पहुंच चुका है, लेकिन ईरान की जब्त संपत्तियों को जारी करने समेत कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर अभी भी बातचीत जारी है। बैठक समाप्त होने के बाद व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बयान जारी कर कहा, "राष्ट्रपति ट्रंप केवल वही समझौता स्वीकार करेंगे जो अमेरिका के हितों और उनकी निर्धारित शर्तों के अनुरूप होगा। ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिए जाएंगे।बैठक से पहले ट्रंप ने संकेत दिया था कि इस दौरान संभावित युद्धविराम और आगे की रणनीति पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। हालांकि, तेहरान के साथ तनाव कम होने के संकेत नहीं मिले हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दोबारा खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम जैसे मुद्दों पर दोनों पक्षों के बीच मतभेद बरकरार हैं।ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर दावा किया कि ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बिछाई गई माइंस हटाने पर सहमत होगा, जबकि अमेरिका अपनी नौसैनिक नाकेबंदी समाप्त करेगा, जिससे समुद्री यातायात सामान्य हो सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम को देश से बाहर ले जाकर नष्ट किया जाएगा।ट्रंप ने स्पष्ट किया कि अगली सूचना तक किसी भी प्रकार का वित्तीय लेन-देन नहीं होगा।

चीन में बने स्मार्ट वाहन अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा!

वॉशिंगटन (ए.)। अमेरिका के दो डेमोक्रेटिक सांसदों ने चीन से जुड़ी गाड़ियों को कनाडा और मैक्सिको के रास्ते अमेरिका आने से रोकने के लिए बिल पेश किया। उनकी ओर से चेतावनी दी गई कि ये गाड़ियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं और अमेरिकी ऑटो उद्योग के लिए भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। इस बिल से चीन और अन्य विरोधी देशों से आने वाले कनेक्टेड वाहनों को अमेरिका में आने से रोक दिया जाएगा, जिसमें चीन में बने या चीनी कंपनियों की ओर से बनाए गए वाहन भी शामिल हैं। हेली स्टीवंस ने कहा कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को अमेरिकी ड्राइवरों, सड़कों या महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के बारे में संवेदनशील जानकारी तक कभी भी पहुंच नहीं मिलनी चाहिए। यह बिल उन खतरनाक कमियों को दूर करता है, जिनके कारण अभी चीन कनेक्टेड वाहन कनाडा और मैक्सिको के रास्ते अमेरिका में आ पाते हैं। उन्होंने कहा कि यह बिल अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करने और मिशिगन के उन ऑटो-कर्मियों के साथ खड़े होने के बारे में है, जो दुनिया के सबसे बेहतरीन वाहन बनाते हैं।

उन्होंने बताया कि मैक्सिको बाजार में अब चीनी वाहनों की हिस्सेदारी लगभग 15 फीसदी है। उन्होंने कनाडा के जनवरी 2026 के चीन के साथ हुए व्यापार समझौते का भी जिक्र किया, जिसके तहत हजारों चीनी वाहनों पर लगने वाले शुल्क में भारी कमी आएगी। सांसदों ने कहा कि चीन से आने वाले कनेक्टेड वाहनों का खतरा अब उत्तर और दक्षिण तक पहुंच चुका है।

ईरान ने अमेरिकी सैन्य अड्डे पर दागी बैलिस्टिक मिसाइल, कई सैनिक घायल; 250 करोड़ का रीपर ड्रोन तबाह

वॉशिंगटन (ए.) ।मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) से इस वक्त की एक बेहद बड़ी खबर सामने आ रही है, जिसने दुनिया को एक भीषण युद्ध के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है। ईरान ने अमेरिका के हालिया हवाई हमलों का खौफनाक बदला लेते हुए एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मिसाइलों और आत्मघाती ड्रोन से ताबड़तोड़ हमला कर दिया है। इस भीषण हमले में कई अमेरिकी सैनिकों के गंभीर रूप से घायल होने की आधिकारिक पुष्टि हुई है।इसके अलावा, अमेरिकी वायुसेना की रीढ़ माने जाने वाले दो 'रूक्त-9 रीपर ड्रोन' को भी भारी नुकसान पहुंचा है। इस भीषण हमले के बाद दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच चल रहा बेहद नाजुक युद्धविराम अब पूरी तरह टूटने के कगार पर पहुंच गया है और खाड़ी देशों में युद्ध के नगाड़े बजने लगे हैं।

आधी रात को दहला अमेरिकी एयर बेस, ईरान की IRGC ने ली जिम्मेदारी

ईरान की सबसे शक्तिशाली सेना 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (IRGC) ने इस हमले की बकायदा जिम्मेदारी लेते हुए एक कड़ा बयान जारी किया है। IRGC का कहना है कि गुरुवार की सुबह उसके जांबाज बलों ने उस अमेरिकी एयर बेस को सीधे निशाने पर लिया, जहां से बीती रात ईरान के दक्षिणी हिस्से, खासकर रणनीतिक रूप से अहम 'बंदर अब्बास' क्षेत्र में अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने भारी बमबारी की थी। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, यह भीषण जवाबी कार्रवाई सीधे तौर पर "आक्रामक और अवैध अमेरिकी हमलों" के खिलाफ आत्मरक्षा में उठाया गया एक बड़ा कदम थी।

कुवैत में घुसी ईरान की 'फतेह-110' मिसाइल, मलबे की चपेट में आए अमेरिकी सैनिक

खूफिया और सैन्य सूत्रों के हवाले से अमेरिकी अधिकारियों ने भी इस खतरनाक हमले की पुष्टि कर दी है। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय (पेंटागन) के अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटों के भीतर ईरान ने कुवैत में स्थित अमेरिकी सेना के बेहद सुरक्षित 'अली अल सलेम एयर बेस' पर अपनी बेहद घातक बैलिस्टिक मिसाइल 'फतेह-110' (Fateh-110) से सीधा हमला किया है।हालांकि, हमले के दौरान कुवैत के अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम ने मुस्तैदी दिखाते हुए ईरान की इस बैलिस्टिक मिसाइल को हवा में ही इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया, लेकिन इस मिसाइल का भारी-भरकम और बारूद से लदा मलबा सीधे अमेरिकी एयर बेस के अंदर जाकर गिरा। मलबा गिरने और उसके आंशिक धमाके के प्रभाव के कारण वहां तैनात कई अमेरिकी सैनिक बुरी तरह घायल हो गए, जिन्हें तुरंत सैन्य अस्पताल में शिफ्ट किया गया है।

अमेरिका को लगा 250 करोड़ का बड़ा झटका, बेहद घातक 'रीपर ड्रोन' पूरी तरह नष्ट

ईरान के इस दुस्साहसिक हमले में अमेरिकी सेना को रणनीतिक और आर्थिक रूप से बहुत बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। एयर बेस के अंदर हुए धमाके के कारण अमेरिका के दो बेहद अहम 'रूक्त-9 रीपर' (MQ-9 Reaper) स्ट्राइक ड्रोन मलबे की चपेट में आकर बुरी तरह डैमेज हो गए हैं। सैन्य अधिकारियों के मुताबिक, इनमें से एक रीपर ड्रोन पूरी तरह जलकर राख (नष्ट) हो गया है, जबकि कम से कम एक अन्य ड्रोन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है।आपको बता दें कि अमेरिकी रक्षा प्रणाली के इस एक 'MQ-9 रीपर ड्रोन' की अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 3 करोड़ डॉलर (करीब 250 करोड़ रुपये) होती है। ये वही रीपर ड्रोन हैं जिनका इस्तेमाल अमेरिकी सेना पूरी दुनिया में मुख्य रूप से खुफिया निगरानी और अचूक हवाई हमलों (टारगेट किलिंग) के लिए करती है। इन महाविनाशक ड्रोन्स का नष्ट होना अमेरिकी राष्ट्रपति और सेना के लिए बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है, जिसके बाद अब अमेरिका की तरफ से ईरान पर किसी भी वक्त बड़े पलटवार की आशंका बढ़ गई है।

कोर्ट ने अमेरिकी राष्ट्रपति को दिया तगड़ा झटका, केनेडी सेंटर से ट्रंप का नाम हटाने के दिए आदेश

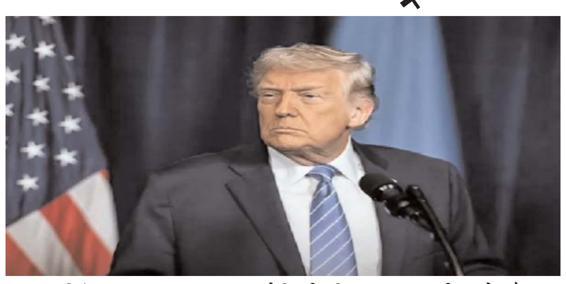

वाशिंगटन (ए.)। एक अमेरिकी जिला न्यायाधीश ने फैसला सुनाया कि जॉन एफ. कैनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का नाम जोड़ना गैरकानूनी था। इसके साथ ही जज ने ट्रंप के नाम को दो सप्ताह के भीतर हटाने का आदेश दिया है। एजेंसी के अनुसार, वाशिंगटन स्थित संघीय जिला न्यायालय के न्यायाधीश क्रिस्टोफर कूपर ने अपने आदेश में लिखा कि अमेरिकी कांग्रेस ने आदेश दिया था कि यह केंद्र वाशिंगटन शहर और उसके आसपास के क्षेत्र में 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी का एकमात्र राष्ट्रीय स्मारक होगा।न्यायाधीश ने कहा कि कैनेडी सेंटर के न्यासी बोर्ड ने ट्रंप के नाम पर केंद्र का नाम बदलकर अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है। कूपर ने कहा, कैनेडी सेंटर के मूल विधान में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि केंद्र का नाम राष्ट्रपति कैनेडी के नाम पर रखा जाना चाहिए और बोर्ड के एकतरफा निर्णय के आधार पर इसे कोई अन्य औपचारिक नाम या सार्वजनिक स्मारक नहीं दिया जा सकता। कांग्रेस ने कैनेडी सेंटर को उसका नाम दिया है और केवल कांग्रेस ही इसे बदल सकती है।कूपर ने ट्रंप प्रशासन को कैनेडी सेंटर को दो साल के लिए बंद करने से भी अस्थायी रूप से रोक दिया। उन्होंने कहा कि बोर्ड का संचालन बंद करने का निर्णयसूचनाओं की अपर्याप्त और एकतरफा प्रस्तुति पर आधारित था और इसमें अपने वैधानिक दायित्वों की पूरी श्रृंखला और कार्यक्रमों और स्मारक समारोहों पर बंद होने के संभावित प्रतिकूल परिणामों पर विचार नहीं किया गया।

भारत सेना को बना रहा आधुनिक, अमेरिका भी साथ मिलकर कर रहा काम : हेगसेथ

वाशिंगटन,(ए.)। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि भारत तेजी से अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने के साथ सेना को आधुनिक बना रहा है। अमेरिका भी भारत के साथ मिलकर रक्षा उत्पादन और नई तकनीकों पर काम कर रहा है। सिंगापुर में एक कार्यक्रम में हेगसेथ ने कहा कि भारत हाई-एंड सैन्य ऑपरेशन संभालने के लिए मजबूत औद्योगिक और लॉजिस्टिक क्षमता तैयार कर रहा है। भारत खासकर हिंद महासागर क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रहा है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हेगसेथ ने कहा कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र दुनिया का सबसे अहम इलाका बन चुका है और यहां सुरक्षा बनाए रखने में अमेरिकी सेना की बड़ी भूमिका है। उन्होंने देशों से अपनी रक्षा तैयारियों में ज्यादा निवेश करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में अमेरिका और चीन के रिश्ते पहले से बेहतर हुए हैं, लेकिन कोई भी देश क्षेत्र में दबदबा नहीं बना सकता।

फीचर

अंडर 18 में किच्चा सुदीप की एंट्री, सच्ची घटनाओं पर आधारित होगी ऐश्वर्या राजेश-विक्रांत की फिल्म

साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों निर्देशक कार्तिक पेरुमल स्वामी की नई फिल्म अंडर 18 लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की कहानी को लेकर लोगों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता थी, लेकिन अब इसमें सुपरस्टार किच्चा सुदीप की एंट्री ने उत्साह को और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसका आधिकारिक ऐलान किया। फिल्म को प्रोड्यूस कर रही एसआर प्रोडक्शंस ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किच्चा सुदीप का स्वागत किया। पोस्ट में लिखा, बादशाह आ चुके हैं। पावरहाउस परफॉर्मर किच्चा सुदीप का अंडर 18 में स्वागत है। सफर में एक बड़ा बदलाव अब शुरू होता है। फिल्म से उनके जुड़ने के ऐलान के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के बीच काफी उत्साह देखने को मिला। लोग अब यह जानने के लिए और ज्यादा उत्सुक हैं कि फिल्म में किच्चा सुदीप का किरदार कैसा होगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी उनके रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है।

अंडर 18 का निर्देशन कार्तिक पेरुमल स्वामी कर रहे हैं। खास बात यह है कि वह इससे पहले मशहूर निर्देशक वेत्रिमारन के साथ बतौर एसोसिएट डायरेक्टर काम कर चुके हैं।

फिल्म में अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश और अभिनेता विक्रांत मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके साथ अभिनेता किशोर भी अहम रोल निभाते दिखाई देंगे। बताया जा रहा है कि फिल्म एक इमोशनल ड्रामा होगी, जिसमें अपराध की दुनिया का ऐसा चेहरा दिखाया जाएगा, जो आमतौर पर लोगों की नजरों से दूर रहता है। फिल्म सिर्फ अपराध की कहानी नहीं होगी, बल्कि यह भी दिखाएगी कि किसी एक घटना का असर पूरे परिवार की जिंदगी पर कैसे पड़ता है।

निर्देशक कार्तिक पेरुमल स्वामी ने इस कहानी के लिए तमिलनाडु के कई अनजान अपराध से जुड़े पहलुओं पर रिसर्च की है। फिल्म की कहानी सच्ची घटनाओं से प्रेरित बताई जा रही है। फिल्म की शूटिंग तमिलनाडु के होसुर, चेंगलपट्टू और चेन्नई में की जाएगी।

ईशा सिंह ने याद किए संघर्ष के दिन, कहा- कठिन शुरुआत के बाद सब छोड़कर घर चली गई थी

मनोरंजन जगत की चकाचौंध भरी दुनिया में नाम बनाना आसान नहीं है। किस्मत और मेहनत के दम पर काम तो मिल जाता है, लेकिन इंडस्ट्री की थका देने वाली भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी के कारण कई लोग यहां से दूरी बना लेते हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री ईशा सिंह के साथ हुआ था। अभिनेत्री ईशा सिंह ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि उनका शुरुआती सफर बेहद मुश्किलों और चुनौतियों से भरा रहा था। अभिनेत्री ने शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद करते हुए बताया, मेरा शुरुआती दौर यकीनन बहुत मुश्किलों भरा था। एक वक्त तो ऐसा भी था, जब परेशान होकर मैंने अपना पहला शो बीच में ही छोड़ दिया था और वापस अपने घर भोपाल चली गई थी, लेकिन मेरा मानना है कि भगवान ने मेरे लिए कुछ और ही सोच रखा था। उनकी कृपा और मेरी मेहनत की वजह से ही आज मैं इस मुकाम पर खड़ी हूं। हालांकि, ईशा ने ये भी स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में उन्हें लोगों का भी बहुत साथ मिला और कभी आउटसाइडर जैसा महसूस नहीं हुआ। उन्होंने बताया, मुझे यहां पर बहुत अच्छे लोग मिले, जिन्होंने कभी यह एहसास होने नहीं दिया कि मैं बाहर से आई हूं। हां, शुरुआत में कुछ मुश्किलें आईं क्योंकि मैं बिल्कुल नई थी और काम सीख रही थी, लेकिन तब से लेकर अब तक मैंने एक लंबा सफर तय किया है। दर्शकों ने मुझे जो प्यार दिया उसके लिए मैं उनकी शुक्रगुजार हूं।अभिनेत्री ईशा सिंह कई म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शो बिग-बॉस में भी नजर आ चुकी हैं, जहां उन्हें दर्शकों से प्यार मिला, तो कई बार ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री का कहना है, रियलिटी शोज आपको जनता के सामने एक खुली किताब की तरह रख देते हैं। लोग लगातार आपकी आलोचना करते हैं, लेकिन अब मैंने सीख लिया है कि इन नकारात्मक बातों का खुद पर असर न होने दूं। आज मैं मानसिक और भावनात्मक, दोनों ही स्तर पर पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुकी हूं।जब आईएएनएस ने अभिनेत्री ईशा सिंह से पूछा, खबरें हैं कि आप अपने आने वाले किसी प्रोजेक्ट में एक ऑटिस्टिक किरदार निभाती हुई नजर आ सकती हैं। आपको इस तरह के संवेदनशील विषयों की ओर क्या चीज आकर्षित करती है?

मैजिक देखने के लिए तैयार हो जाइए, मृणाल ठाकुर ने दिया खास प्रोजेक्ट का हिंट

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी कॉमेडी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। इस बीच उन्होंने खुलासा किया है कि वह किसी बहुत खास प्रोजेक्ट के लिए डबिंग कर रही हैं और जल्द ही इसकी घोषणा करेंगी। मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर डबिंग स्टूडियो से एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कहती नजर आ रही हैं, ऑल राइट, लेट्स गो! उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, कुछ बहुत-बहुत खास के लिए डबिंग कर रही हूं! उस जादू को देखने का इंतजार नहीं कर सकती, जिसे हमने बनाया है। मेरा दिल बेहद भावुक है और मैं भगवान की बहुत आभारी हूं! जल्द ही घोषणा करूंगी।

है जवानी तो इश्क होना है जून में रिलीज होने जा रही है। डेविड धवन के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक ऐसे लड़के की कहानी है, जिसे कई लड़कियों ने रिजेक्ट कर दिया था। वह अकेलेपन के साथ जिंदगी बिता रहा था लेकिन फिर कुछ ऐसा होता है कि उसके जीवन में बड़े बदलाव आते हैं।

जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि है जवानी तो प्यार होना है डेविड धवन की फिल्म बीवी नंबर 1 का एक सुपरहिट गाना है, जिसमें सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन नजर आए थे। माना जा रहा है कि आने वाली इस फिल्म का नाम इसी लोकप्रिय गाने से प्रेरित है।

यह डेविड धवन की आखिरी फिल्म होगी। उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत 1989 में फिल्म ताकतवर से की थी।

इंस्पेक्टर अविनाश को असली अविनाश मिश्रा से मिला प्यार, रणदीप हुड्डा बोले- मेरे लिए इससे बड़ा सम्मान नहीं

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों क्राइम और पुलिस अधिकारियों की सच्ची कहानियों पर बनी सीरीज दर्शकों को खूब पसंद आ रही हैं। इन्हीं में से एक है अभिनेता रणदीप हुड्डा की वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश, जिसने दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। यह कहानी असली पुलिस अधिकारी अविनाश मिश्रा की जिंदगी से प्रेरित है, जिसका किरदार रणदीप हुड्डा ने निभाया है।

अब इस सीरीज को लेकर एक ऐसा पल सामने आया है, जिसने अभिनेता को भावुक कर दिया। दरअसल, रणदीप हुड्डा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खास तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में वह असली इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा के साथ नजर आ रहे है। दोनों एक-दूसरे के साथ मुस्कुराते हुए दिखाई दे रहे हैं। तस्वीरों में दोनों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिखाई दे रही है। एक तस्वीर में रणदीप और अविनाश मिश्रा साथ खड़े होकर कैमरे की ओर देख रहे हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में दोनों बातचीत करते और हंसते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों ने फैंस का दिल जीत लिया। तस्वीरों के साथ रणदीप हुड्डा ने कैप्शन में लिखा, जब असली इंस्पेक्टर अविनाश खुद को पर्दे पर देखकर खुश और गर्व महसूस करते हैं, तो इससे बड़ा सम्मान मेरे लिए कोई और नहीं हो सकता। इंस्पेक्टर अविनाश को मिल रहे प्यार के लिए मैं बेहद खुश हूं। पूरी टीम और कलाकारों को इसके लिए बधाई।

इस बीच इंस्पेक्टर अविनाश 2 के निर्देशक नीरज पाठक ने भी रणदीप हुड्डा की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया, रणदीप के साथ काम करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। वह अपने काम को लेकर इतने समर्पित रहते हैं कि अब दूसरे कलाकारों के साथ काम करते समय मुझे रणदीप जैसी मेहनत और लगन की कमी महसूस होती है।

इंस्पेक्टर अविनाश में रणदीप हुड्डा के अलावा कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। उर्वशी रौतेला ने पूनम का किरदार निभाया है। वहीं अमित सियाल, शालिन भनोट, फ्रेडी दारूवाला और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकारों ने भी अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का ध्यान खींचा है।झइंस्पेक्टर अविनाश 2 को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। यह सीरीज 15 मई से ओटीटी प्लेटफॉर्म जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर परिसर के सुंदर सदन में आयोजित पत्रकारिता गौरव मार्तंड उत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही। यह आयोजन हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित किया गया।

नवतपा के दौरान भीषण गर्मी में गहराया जल संकट, खनन क्षेत्रों के गांवों में बढ़ी समस्या

कोरबा (आरएनएस)। जिले में नौतपा के दौरान पड़ रही भीषण गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। खासकर खनन प्रभावित क्षेत्र गेवरा, दीपका और कुसमुंडा के आसपास बसे ग्रामीण इलाकों में जल संकट गंभीर रूप लेता जा रहा है। लगातार बढ़ते तापमान और भूजल स्तर में गिरावट के कारण गांवों के हैंडपंप, कुएं और बोरवेल जवाब देने लगे हैं, जिससे लोगों को पीने के पानी के लिए रोज संघर्ष करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि हर साल गर्मी के मौसम में पानी की समस्या उत्पन्न होती है, लेकिन इस बार स्थिति अधिक चिंताजनक है। कई गांवों में सुबह होते ही महिलाएं और बच्चे पानी भरने के लिए बर्तनों के साथ लंबी कतारों में खड़े दिखाई देते हैं। कहीं-कहीं लोगों को एक से दो किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ रहा है। पर्याप्त पानी नहीं मिलने से घरेलू कार्यों के साथ-साथ पशुपालन और खेती-किसानी भी प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार खनन गतिविधियों और लगातार हो रहे भूजल दोहन के कारण क्षेत्र का जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है। पहले जिन कुओं और हैंडपंपों में सालभर पानी उपलब्ध रहता था, वे अब गर्मी शुरू होते ही सूखने लगे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित कंपनियों से स्थायी जल व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि गर्मी के दिनों में लोगों को राहत मिल सके। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट का असर आम जनजीवन पर साफ दिखाई दे रहा है। पानी की कमी के कारण लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है और गर्मी के बीच जल की तलाश ही सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। कई स्थानों पर टैंकरों के माध्यम से पानी पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है, लेकिन वह जरूरत के मुकाबले पर्याप्त नहीं मानी जा रही।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने भी जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता बताई है।

राजधानी रायपुर में नगर के तीन कलाकारों की कला का होगा प्रदर्शन

रायपुर,(आरएनएस)। शहर में स्थित चाणक्य अकादमी रायपुर एम्स के पीछे द्वारा आयोजित वार्षिक चित्रकला प्रदर्शनी व कला प्रदर्शनी में शहर के तीन कलाकारों की चित्र प्रदर्शनी लगाई जाएगी कला शिक्षक विद्या सोनी और भिलाई स्टील प्लांट के कर्मी उमाकांत ठाकुर वह राज्य के प्रसिद्ध क्यूरेटर व शिल्पकार राजेंद्र सुनगारिया के चित्रों की प्रदर्शनी तीन दिवसीय लगाई जाएगी ।

साथ ही छत्तीसगढ़ शासन संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कला प्रदर्शनी में भी 15 दिवस के लिए यह तीनों चित्रकार भाग लेंगे, नया रायपुर आर्ट क्लब की सदस्य विद्या सोनी 3 दशकों से कला क्षेत्र में कार्य कर रही हैं वह प्रकृति के रंग बनती हैं । वहीं भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत उमाकांत ठाकुर जाना पहचाना चेहरा है, भिलाई नगर पर भी प्रकृति के लिए काम करते हैं और वही जुझारू कलाकार राजेंद्र सुनगारिया अपने संस्कृति कला के लिए प्रसिद्ध है। इन तीनों कलाकारों की प्रदर्शनी इसके पूर्व भी रायपुर में वार्षिक चित्रकला में प्रदर्शित होती रही है, यह तीन दिवसीय आयोजन 29,30 से 31 मई को होगा वही घड़ी चौक रायपुर में यह 1से लेकर 12 जून तक देखा जा सकता है।

मंदिर हसौद में युवक की हत्या का खुलासा, निर्दलीय पार्षद सहित 4 हिरासत में

रायपुर,(आरएनएस)। राजधानी रायपुर से लगे मंदिर हसौद क्षेत्र में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। 22 मई से लापता युवक भुवनेश्वर यादव की हत्या कर शव को महानदी किनारे रेत में दफनाने का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने निर्दलीय पार्षद नोहर दास उर्फ गोलू रात्रे सहित चार लोगों को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक भुवनेश्वर यादव नकटी गांव का निवासी था और मोनेट कंपनी में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत था। युवक के लापता होने पर परिजनों ने मंदिर हसौद थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई थी।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि घटना वाले दिन मंदिर हसौद शराब भट्ठी के पीछे कुछ लोग बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान पानी को लेकर विवाद शुरू हुआ, जो देखते ही देखते गाली-गलौज और मारपीट तक पहुंच गया। आरोप है कि इसी विवाद में भुवनेश्वर यादव और निर्दलीय पार्षद गोलू रात्रे के बीच तीखी बहस हुई।पुलिस के अनुसार विवाद बढ़ने पर आरोपी युवक को कार में बैठाकर महासमुंद जिले के महानदी किनारे नांदगांव घाट क्षेत्र ले गए, जहां उसके साथ मारपीट की गई। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई।

पर्यटन के जरिए नई पहचान गढ़ेगा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर,(आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अब देश के पर्यटन मानचित्र पर अपनी नई पहचान गढ़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने, निवेश अनुकूल नीतियों और राज्य सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण प्रदेश में पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की संभावनाएं लगातार मजबूत हो रही हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अपने निवास कार्यालय में पर्यटन को बढ़ावा देने, पर्यटक सुविधाओं के विकास एवं विस्तार तथा हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में शामिल हुए। बैठक में देश की प्रतिष्ठित इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधियों सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ उत्तर से दक्षिण तक नैसर्गिक विरासत की अमूल्य धरा है, जहां नदियां, पहाड़, घने जंगल, जलप्रपात, समृद्ध आदिवासी संस्कृति और जनजातीय परंपराएं छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य दुनिया को छत्तीसगढ़ की वास्तविक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और प्राकृतिक विविधता से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिए जाने से हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की संभावनाएं तेजी से बढ़ी हैं और पर्यटकों के लिए बेहतर ठहराव, परिवहन तथा आधुनिक सुविधाओं के विकास के माध्यम से छत्तीसगढ़ को आकर्षक पर्यटन गंतव्य बनाया जा सकता है।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य में लगातार निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं

जनदर्शन में मंत्री राजेश अग्रवाल ने सुनी ग्रामीणों की समस्याए

आवेदनों एवं शिकायतों का गंभीरता से परीक्षण कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने जनदर्शन कार्यक्रम के तहत सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के ग्राम हरिहरपुर पहुंचकर ग्रामीणों से आत्मीय भेंट-मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं, आवश्यकताओं और विकास संबंधी मांगों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनदर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। लोगों ने सड़क, पेयजल, बिजली, राजस्व, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को मंत्री अग्रवाल के समक्ष रखा। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि शासन की प्राथमिकता अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना और जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि जनता से सीधा संवाद और जनभावनाओं से जुड़ाव ही सुशासन का वास्तविक आधार है। क्षेत्रवासियों की अपेक्षाओं, विश्वास और विकास के संकल्प को पूरा करने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का गंभीरता से परीक्षण कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

मंत्री अग्रवाल ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी तथा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार गांव, गरीब, किसान और अंतिम पंक्ति के व्यक्तियों के जीवन स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से निरंतर कार्य कर रही है।

खेल समाचार

एशियन गेम्स ट्रायल के सेमीफाइनल में हारीं विनेश फोगाट, उभरती पहलवान मीनाक्षी गोयत ने दी शिकस्त

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में चल रहे एशियाई खेलों (Asian Games) के चयन ट्रायल से एक बेहद हैरान करने वाली और बड़ी खेल खबर सामने आ रही है। देश की स्टार और अनुभवी महिला पहलवान विनेश फोगाट को महिलाओं के 53 किलोग्राम भारवर्ग के एक कड़े मुकाबले में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस बेहद रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में भारत की उभरती हुई युवा पहलवान मीनाक्षी गोयत ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए दिग्गज विनेश फोगाट को 6-4 से शिकस्त देकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस उलटफेर के बाद विनेश फोगाट के एशियाई खेलों में सीधे चयन के सपनों को बड़ा झटका लगा है।आपको बता दें कि इन ट्रायल्स के दौरान विनेश फोगाट की मैट पर वापसी खेल जगत में काफी चर्चा का विषय बनी हुई थी। सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट के महत्वपूर्ण फैसलों के बाद कानूनी लड़ाई जीतकर उन्हें आखिरकार 53 किलोग्राम भारवर्ग में भाग लेने की अनुमति मिली थी, जिससे उनकी दावेदारी बेहद मजबूत मानी जा रही थी।

शुरुआती मुकाबलों में शानदार जीत

शनिवार को हुए इन एशियन गेम्स सिलेक्शन ट्रायल्स में विनेश फोगाट ने अपनी शुरुआत बेहद आक्रामक और धमाकेदार अंदाज में की थी। उन्होंने शुरुआती दो मुकाबले जीतकर अपनी वापसी की उम्मीदों को पूरी तरह जिंदा

रखा था। 53 किग्रा कैटेगरी के अपने पहले राउंड के मुकाबले में विनेश फोगाट ने हरियाणा की ज्योति को 7-1 के बड़े अंतर से आसानी से धूल चटाई थी।इसके बाद हुए दूसरे कड़े मुकाबले में उनका सामना निशु से हुआ। यह मुकाबला बेहद हाई-वोल्टेज और ड्रामे से भरपूर रहा। मैच खत्म होने तक दोनों पहलवानों का स्कोर 6-6 से पूरी तरह बराबर रहा था, लेकिन तकनीकी मानदंडों के आधार पर विनेश फोगाट को विजेता घोषित कर आगे बढ़ा दिया गया।इस मैच के आखिरी क्षणों में निशु ने एक शानदार 'टेक डाउन' का प्रयास किया था, लेकिन रेफरी द्वारा उन्हें अंक नहीं दिए गए। फैसले से असहमत निशु के कोच ने तुरंत इस निर्णय को चुनौती (चैलेंज) दी, लेकिन रिव्यू के बाद भी वे यह चैलेंज हार गए और विनेश फोगाट ने राहत की सांस ली। इस विवादास्पद फैसले से पूरी तरह स्तब्ध और निराश होकर निशु ने खेल भावना के विपरीत रेफरी और विनेश फोगाट से हाथ मिलाने तक से इनकार कर दिया था और काफी देर तक मैट पर ही भावुक होकर खड़ी रही थीं।

सेमीफाइनल में मीनाक्षी गोयत ने पलटा पासा

दो बेहद थका देने वाले मुकाबले जीतने के बाद विनेश फोगाट जब सेमीफाइनल के मंच पर उतरीं, तो युवा पहलवान मीनाक्षी गोयत ने उनके अनुभव पर अपनी फुर्ती और बेहतरीन तकनीक को हावी कर दिया। मीनाक्षी ने मुकाबले की शुरुआत से ही विनेश पर दबाव बनाए रखा और डिफेंसिव खेल के साथ-साथ सटीक अटैक किए।विनेश फोगाट ने मैच में वापसी की कई कोशिशें कीं, लेकिन मीनाक्षी गोयत ने उन्हें ज्यादा मौके नहीं दिए और अंततः 6-4 के स्कोर से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही मीनाक्षी ने फाइनल का टिकट कटा लिया है, जबकि विनेश फोगाट की इस अप्रत्याशित हार ने कुश्ती के जानकारों और उनके फैंस को हैरान कर दिया है।

एफसी बार्सिलोना में हुई इंग्लैंड के विंगर एंथनी गॉर्डन की एंट्री

मैड्रिड ,(आरएनएस)। एफसी बार्सिलोना ने न्यूकैसल यूनाइटेड से इंग्लैंड के इंटरनेशनल विंगर एंथनी गॉर्डन को साइन करने की पुष्टि की है। वह गैरी लिनेकर और मार्कस रैशफोर्ड के बाद क्लब का प्रतिनिधित्व करने वाले सिर्फ तीसरे इंग्लिश खिलाड़ी बन गए हैं।

25 साल के खिलाड़ी ने बार्सिलोना पहुंचने और अपना चिकित्सा परीक्षण पास करने के बाद लगभग 70 मिलियन यूरो के छह साल के कॉन्ट्रैक्ट के साथ-साथ 10 मिलियन यूरो के इंसेंटिव के लिए सहमति दी है। रिपोर्ट के अनुसार, कानूनी कागजी कार्रवाई में देरी की वजह से यह साइनिंग उम्मीद से सात घंटे बाद हुई।

गॉर्डन ने कहा, मैं तीन साल की उम्र से ही बार्का के लिए खेलने को लेकर उत्साहित था। मैं स्पैनिश बोलना चाहता था क्योंकि बचपन में मुझे लगता था कि मैं बार्सिलोना के लिए फुटबॉल खेलूंगा। न्यूकैसल में मेरे एक फिजियो हैं, और हम हर दिन बात करते थे। मैंने उनसे कहा था कि मैं एक दिन बार्सिलोना के लिए खेलूंगा, इसलिए मैं स्पेनिश सीखना चाहता हूं। मुझे बहुत देर से पता चला (बार्सिलोना की दिलचस्पी के बारे में), लेकिन जैसे ही मुझे पता चला कि बार्सिलोना एक सीरियस विकल्प है, कोई सवाल ही नहीं था। गॉर्डन ने आगे कहा कि बार्सिलोना दुनिया का सबसे बड़ा क्लब है। बार्सिलोना के लिए खेलने का सपना उन्होंने बचपन से देखा था। बार्सिलोना में शामिल होने पर गॉर्डन काफी खुश नजर आए।

एफसी बार्सिलोना में हुई इंग्लैंड के विंगर एंथनी गॉर्डन की एंट्री

मैड्रिड(ए.)। एफसी बार्सिलोना ने न्यूकैसल यूनाइटेड से इंग्लैंड के इंटरनेशनल विंगर एंथनी गॉर्डन को साइन करने की पुष्टि की है। वह गैरी लिनेकर और मार्कस रैशफोर्ड के बाद क्लब का प्रतिनिधित्व करने वाले

सिर्फ तीसरे इंग्लिश खिलाड़ी बन गए हैं।25 साल के खिलाड़ी ने बार्सिलोना पहुंचने और अपना चिकित्सा परीक्षण पास करने के बाद लगभग 70 मिलियन यूरो के छह साल के कॉन्ट्रैक्ट के साथ-साथ 10 मिलियन यूरो के इंसेंटिव के लिए सहमति दी है। रिपोर्ट के अनुसार, कानूनी कागजी कार्रवाई में देरी की वजह से यह साइनिंग उम्मीद से सात घंटे बाद हुई।गॉर्डन ने कहा, मैं तीन साल की उम्र से ही बार्का के लिए खेलने को लेकर उत्साहित था। मैं स्पैनिश बोलना चाहता था क्योंकि बचपन में मुझे लगता था कि मैं बार्सिलोना के लिए फुटबॉल खेलूंगा। न्यूकैसल में मेरे एक फिजियो हैं, और हम हर दिन बात करते थे। मैंने उनसे कहा था कि मैं एक दिन बार्सिलोना के लिए खेलूंगा, इसलिए मैं स्पेनिश सीखना चाहता हूं। मुझे बहुत देर से पता चला (बार्सिलोना की दिलचस्पी के बारे में), लेकिन जैसे ही मुझे पता चला कि बार्सिलोना एक सीरियस विकल्प है, कोई सवाल ही नहीं था। गॉर्डन ने आगे कहा कि बार्सिलोना दुनिया का सबसे बड़ा क्लब है। बार्सिलोना के लिए खेलने का सपना उन्होंने बचपन से देखा था। बार्सिलोना में शामिल होने पर गॉर्डन काफी खुश नजर आए। वह एक जून को वर्ल्ड कप की फाइनल तैयारियों के लिए इंग्लैंड टीम से जुड़ जाएंगे।

आईपीएल 2026 : आरसीबी और टाइटंस के बीच आज होगा खिताबी मुकाबला

अहमदाबाद (ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई है, जिसके चलते करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस महामुकाबले पर टिकी हुई हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार का फाइनल हाल के वर्षों के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक साबित हो सकता है।

आरसीबी लगातार दूसरे वर्ष फाइनल में पहुंची है और उसके पास लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का अच्छा अवसर है। कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व में टीम ने पूरे सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। आरसीबी ने पहले क्वालिफायर में गुजरात टाइटंस को 92 रन के बड़े अंतर से हराकर सीधे फाइनल का टिकट हासिल किया था। उस मुकाबले में रजत पाटीदार की आक्रामक बल्लेबाजी और गेंदबाजों के शानदार

प्रदर्शन से टीम का मनोबल काफी बढ़ा है। आरसीबी के पास विराट कोहली, फिल सॉल्ट, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा और टिम डेविड जैसे बल्लेबाज हैं किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करने की क्षमता रखते हैं। वहीं ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या और रोमारियो शेफर्ड टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड का अनुभव आरसीबी की सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है, जबकि युवा स्पिनर सुयश शर्मा मध्य ओवरों में विकेट निकालने की क्षमता रखते हैं। जिससे टीम खिताब जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। वहीं दूसरी ओर गुजरात टाइटंस भी किसी मायने में कम नहीं है। कप्तान शुभमन गिल शानदार फॉर्म में हैं और दूसरे क्वालिफायर में उनके शतक ने टीम आसानी से फाइनल में पहुंच गीय। उनके साथ साई सुदर्शन ने भी बेहतरीन बल्लेबाी की है। उसे पास जोस बटलर, ग्लेन फिलिप्स जैसे बल्लेबाज मध्यक्रम को मजबूती देते हैं, जबकि राहुल तेवतिया मैच फिनिशर के तौर पर सफल रहे हैं। स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और राशिद खान टीम को अतिरिक्त मजबूती प्रदान करते हैं।

गुजरात की सबसे बड़ी ताकत उसकी गेंदबाजी मानी जा रही है। मोहम्मद सिराज, कगिसो रबाडा और प्रसिद्ध कृष्णा की तेज गेंदबाजी तिकड़ी किसी भी बल्लेबाजी क्रम के लिए परेशान खड़ी कर सकती है। वहीं राशिद खान अपनी फिरकी से मैच का रुख पलटने में सक्षम हैं। अहमदाबाद का मैदान गुजरात का घरेलू मैदान है और यहां टीम का रिकॉर्ड भी शानदार रहा है, जिससे भी उसे हालातों का लाभ मिलेगा।

आरआर बनाम जीटी : शुभमन गिल ने रचा इतिहास, यह कारनामा करने वाले बने पहले कप्तान

न्यू चंडीगढ़,(आरएनएस)। आईपीएल 2026 के दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में गुजरात टाइटंस (जीटी) ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 7 विकेट से हराया। जीटी की इस जीत के नायक कप्तान शुभमन गिल रहे। गिल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान गिल ने वह कारनामा किया, जो आईपीएल के इतिहास में आजतक कोई भी कप्तान नहीं कर सका है।

शुभमन गिल ने 53 गेंदों की अपनी पारी में 104 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 15 चौके और 3 छक्के लगाए। गिल आईपीएल के प्लेऑफ मुकाबले में शतक लगाने वाले पहले कप्तान बन गए हैं। आरआर से मिले 215 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जीटी को गिल ने साई सुदर्शन के साथ मिलकर जबरदस्त शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 12.5 ओवर में 167 रन जोड़े।

सुदर्शन ने 32 गेंदों का सामना करते हुए 8 चौके और एक छक्के की मदद से 58 रनों की दमदार पारी खेली। वॉशिंगटन सुंदर ने 16 रनों का योगदान दिया, जबकि राहुल तेवतिया 9 गेंदों में 17 रन बनाकर नाबाद रहे। जीटी ने लक्ष्य को 18.4 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल किया।

इससे पहले, राजस्थान रॉयल्स ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 214 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। आरआर की ओर से वैभव सूर्यवंशी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंदों में 96 रनों की शानदार पारी खेली। 15 वर्षीय बल्लेबाज ने अपनी पारी में 8 चौके और 7 छक्के लगाए। वहीं, रवींद्र जडेजा ने 35 गेंदों में नाबाद 45 रन बनाए।

सेठानी घाट पर दो दिवसीय भव्य आम महोत्सव का शुभारंभ

आम की विविध किस्मों ने आकर्षित किया लोगों का ध्यान, 31 मई तक चलेगा महोत्सव

नर्मदापुरम (निप्र)। उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग एवं जिला प्रशासन नर्मदापुरम के संयुक्त तत्वावधान में ऐतिहासिक सेठानी घाट परिसर में दो दिवसीय भव्य आम महोत्सव (मैंगो फेस्टिवल) का शुभारंभ किया गया। महोत्सव का उद्देश्य नर्मदापुरम एवं आसपास के क्षेत्रों के प्रसिद्ध रसीले आमों को बढ़ावा देना तथा आम उत्पादक किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ना है। महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव एवं जिला पंचायत सदस्य उमेश यादव की गरिमामयी उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने कहा कि यह महोत्सव स्थानीय किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के आमों का स्वाद अद्भुत है तथा इन्हें बड़े बाजारों तक पहुंचाना प्राथमिकता है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बताया कि जिला प्रशासन एवं उद्यानिकी विभाग के सहयोग से आयोजित इस महोत्सव में 40 से अधिक किस्मों के लगभग 150 स्टॉल लगाए गए हैं। इनमें लंगड़ा, दशहरी, आम्रपाली, मल्लिका, चौसा, बॉम्बे ग्रीन, तोतापरी, अल्फांसो, केसर, हिमसागर, बादामी, सफेदा, मालगोवा सहित देशी आमों की विभिन्न प्रजातियां प्रदर्शित की गई हैं।

इसके साथ ही आम से निर्मित प्रसंस्कृत उत्पाद, आम के पौधे एवं फलों के विक्रय हेतु भी विशेष स्टॉल लगाए गए हैं। महोत्सव का मुख्य उद्देश्य आम उत्पादकों को प्रोत्साहित करना, विभिन्न किस्मों के आमों का प्रदर्शन करना तथा किसानों और उपभोक्ताओं के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना है। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि आम प्रदर्शनी 31 मई 2026 तक आमजन के लिए खुली रहेगी। आसपास के नागरिक, परिवार एवं आम प्रेमी इस महोत्सव में पहुंचकर विभिन्न किस्मों के आमों का अवलोकन एवं स्वाद का आनंद ले सकते हैं।

ग्रीष्म कालीन शतरंज प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

प्रशिक्षणार्थियों ने शतरंज की बारीकियों के गुर सीखे

नर्मदापुरम। शैक्षणिक के साथ सांस्कृतिक व सामाजिक गतिविधियों में अग्रणी शैक्षणिक संस्थान पंडित रामलाल शर्मा उच्चतर मा. विद्यालय में ग्रीष्म कालीन शतरंज प्रशिक्षण शिविर का समापन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रेडक्रास समिति के चेयरमेन पं अरूण शर्मा अध्यक्ष विद्यालय संचालन समिति एवं विशिष्ट अतिथि विद्यालय प्राचार्य सुधीर मिश्रा रहे। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा पं रामलाल शर्मा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक मात्र ग्रीष्म कालीन शतरंज प्रतिशिक्षण शिविर लगाया गया। इस शिविर में जिला शतरंज संघ के अधिकारियों द्वारा लगभग पचास बच्चों को प्रातः 9 से 11 बजे तक शतरंज खेल का प्रशिक्षण दिया जिसमें बच्चों ने उत्साह से हिस्सा लिया। समापन के अवसर पर अतिथियों द्वारा बच्चों को मेडल देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष श्री त्रिपाठी पूर्व अध्यक्ष दुबे, श्री मेहरा, दिनेश शर्मा, केपी मालवीय आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अरूण शर्मा ने अपने उद्बोधन में बच्चों एवं माता.पिता को इस शिविर में भाग लेने पर प्रोत्साहित किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में दिनेश शर्मा द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया तथा बच्चों को स्वल्पहार वितरित किया गया।

अवैध रेत उत्खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

नर्मदा नदी से रेत का अवैध उत्खनन करते पनडुब्बी जप्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज विभाग द्वारा होमगार्ड बल के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए तहसील सिवनी मालवा अंतर्गत ग्राम पथाडा स्थित नर्मदा नदी से अवैध रूप से रेत उत्खनन करते हुए एक पनडुब्बी जप्त की गई। कार्रवाई के दौरान जप्त पनडुब्बी को पुलिस थाना सिवनी मालवा की अभिरक्षा में सुरक्षित रखा गया है। खनिज विभाग द्वारा मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जिले में निरंतर अभियान जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मनोरंजन के लिए कथा मत सुनिए कथा संस्कार को जीवन में उतारिए : पं रवि शंकर तिवारी

सीहोर (निप्र)। हिंगलाज माता मंदिर कस्बा परिसर में आयोजित रात्रि कालीन श्रीमद् भागवत कथा में शुक्रवार की रात भागवत भूषण पंडित रविशंकर तिवारी ने कहा कि भगवान की कथा मनोरंजन के लिए नहीं जीवन में उता रने के लिए होती है। महाभारत समाप्ति करने के बाद श्रीमद् भागवत कथा शुरू होती है। वेदव्यास जी महाराज ने भागवत जी की रचना की है। कलयुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का होगा। कलयुग के अंत में लोग चने के झाड़ के नीचे बैठकर पंचायत कर लेंगे। घोर कलयुग में पाप अपने चरम पर होगा। अन्याय अत्याचार प्राकृतिक आपदाएं बढ़ जाएंगी। प्रभु स्मरण और मानवीयता जब पूर्ण रूप से समाप्त हो जाएगी तब कलयुग के अंत में भगवान कल्कि का अवतार होगा। पंडित श्री तिवारी ने कहा कि राजा परीक्षित को अपमान करने पर ब्राह्मण देवता ने 7 दिन में सर्पदांत से मृत्यु का श्राप दिया था। राजा परीक्षित को तक्षक नाग से बचाने के लिए सुखदेव जी ने उन्हें भागवत कथा सुनाई थी। अंत में राजा परीक्षित की भगवान की कृपा से मृत्यु नहीं हुई वह मोक्ष को प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति धर्म के लिए तत्पर रहता है भगवान भी उसकी मदद के लिए तत्पर रहते हैं। जिसके मन में छल कपट होता है उसे भगवान भी स्वीकार नहीं करते हैं।

महिलाओं एवं युवतियों में स्वरोजगार के प्रति बढ़ रही है लगन-श्रीमती प्रीति शर्मा

मनीष शंकर शर्मा सपोर्ट फाउंडेशन द्वारा विद्या मंदिर निमसाडिया में मनस्विनी कला केंद्र में हुआ प्रशिक्षण
'आत्मनिर्भरता की और एक कदम' के तहत सिलाई कढ़ाई का हुनर सीख रही महिलाएं एवं युवतियां

नर्मदापुरम (निप्र)। मनीष शंकर शर्मा सपोर्ट फाउंडेशन के तत्वाधान में विद्या मंदिर निमसाडिया में मनस्विनी कला केंद्र द्वारा सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र का समापन शनिवार को विद्या मंदिर परिसर में कार्यक्रम एमएसएस की संस्थापक श्रीमती आरती शर्मा के मार्गदर्शन में निर्देशक एवं संचालक श्रीमती प्रीति शर्मा की अध्यक्षता में हुआ। भोपाल से आई स्किल डेवलपमेंट मार्गदर्शिका श्रीमती रेनू नायक एवं नर्मदापुरम की श्रीमती चित्रा हर्णे के विशिष्ट आथित्य में कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ से पूर्व देवी सरस्वती की पूजन अर्चन अतिथियों के द्वारा की गई। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं एवं युवतियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। समापन समारोह में एमएसएस फाउंडेशन की निर्देशक श्रीमती प्रीति शर्मा ने कहा कि मनस्विनी कला केंद्र के द्वारा मध्यम व गरीब वर्ग की महिलाओं ने 'आत्मनिर्भरता की और एक कदम' के तहत सिलाई कढ़ाई का प्रशिक्षण जिस उत्साह और उमंग के साथ लिया है। इससे महिलाएं एवं युवतियां स्वरोजगार के प्रति आगे बढ़ रही हैं उन्होंने महिलाओं की लगन और उत्साह को देखते हुए आगामी समय में सिलाई, कढ़ाई के साथ ही बड़ी, पापड़ और आचार जैसे घरेलू उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण की भी व्यवस्था करने को कहा। इस अवसर पर भोपाल से पधारी रेनू नायक ने कहा कि सिलाई कढ़ाई के प्रशिक्षण का घरेलू जीवन में बहुत महत्व है इससे स्वरोजगार भी स्थापित हो जाता है।

प्रशिक्षणार्थियों की फाइलों का किया अवलोकन

समारोह में उपस्थित अतिथियों के द्वारा सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा तैयार की गई व्यवस्थित फाइलों का भी अवलोकन कर उन्हें बधाई दी।

महिलाएं और युवतियां प्रशिक्षण प्राप्त कर हुई दक्ष

महिलाओं और युवतियों को जो प्रशिक्षण दिया गया मुख्य रूप से मशीन डायग्राम, काज बटन लगाना, डाइनिंग कर झूल बाग बेबी नैपकिंस, डोरी पाइपिंग, पेटी कोट, ए लाइन फ्रॉक, , चार नंबर आस्तीन, चुन्नट वाली फ्राक, अंब्रेला फ्रॉक, कुर्ती, एप्पल कट कुर्ती, सादी, चार कली वाली म्यानी, बेवी पेंट, पटियाला सलवार, धोती सलवार, अफगानी सलवार, फुल गोल कालर, हाफ कालर,कालर वाली कुर्ती, सिंगल टक्स ब्लाउज, प्रिंसेस कट ब्लाउज, प्रिंसेस कट ब्लाउज, प्रिंसेस वेल्ट ब्लाउस, चार टक्स वाला ब्लाउज, कटोरी वाला ब्लाउस एवं अंब्रेला प्लाजो आदि का प्रशिक्षण दिया गया। जिससे महिलाएं एवं युवतियां दक्ष हुई हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रधानाचार्य श्रीमती नीतू चौरे एवं श्रीमती राम सुईया कीर का विशेष योगदान रहा।

हेंडबाल ग्रीष्म कालीन शिविर जारी

ग्रीष्मकालीन हैंडबॉल, कुराश सहित अन्य गतिवितियों का प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ी

नर्मदापुरम (निप्र)। खेल विभाग नर्मदापुरम के तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन हैंडबॉल एवं कुराश खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन समेरिटेंस स्कूल खेल प्रांगण में जारी है। शिविर में खिलाड़ियों को मोबाइल एडिक्शन साइबर क्राइम महिलाओं हेतु आत्मरक्षा, पर्सनल हाइजीन, गुड टच बेड टच आदि प्रकार की गतिविधियों के चलते जागरूक किया जा रहा है। जिला खेल अधिकारी सुश्री उमा पटेल समेरिटेंस स्कूल के संचालक डॉक्टर आशुतोष कुमार शर्मा, प्राचार्य प्रेरणा रावत द्वारा समय.समय पर प्रशिक्षण शिविर का निरीक्षण कर बच्चों का हौसला अफजाई की जा रही है।

इटारसी के गुरुमाया चिल्ड्रन हॉस्पिटल में तड़के लगी आग, एसी और फर्नीचर जलकर खाक

- अस्पताल स्टाफ की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

नर्मदापुरम,(निप्र)। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले के इटारसी में शनिवार तड़के एक बच्चों के अस्पताल में आग लग गई। हालांकि अस्पताल कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और आग बुझाना शुरू कर दिया। आग की चपेट में आकर कार्यालय में रखा एसी, सोफा, डॉक्टर की कुर्सी और मेज जल गए हैं। राहत की बात है कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।जानकारी के अनुसार, मामला लक्कड़गंज इलाके में बीएसएनएल कार्यालय के पास स्थित %गुरुमाया चिल्ड्रन हॉस्पिटल% का है, जहां शनिवार तड़के अचानक आग भड़क उठी। आग अस्पताल के कार्यालय (ऑफिस) के अगले हिस्से में लगी थी, जिसने देखते ही देखते वहां रखे फर्नीचर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के वक्त अस्पताल परिसर से अचानक धुएं का गुबार उठता देख वहां नाइट ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारी और पैरामेडिकल स्टाफ तुरंत एक्शन में आ गए। उन्होंने बिना वक्त गंवाए अपने स्तर पर ही उपलब्ध संसाधनों से आग को बुझाने और उसे नियंत्रित करने का प्रयास शुरू कर दिया।

हालांकि, जब तक आग पर पूरी तरह काबू पाया जाता, तब तक कार्यालय के भीतर लगा एयर कंडीशनर, सोफा, डॉक्टर की कुर्सी और टेबल पूरी तरह जलकर खाक हो चुके थे।आग लगने की सूचना मिलते ही नगर पालिका की फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और स्थानीय पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। राहत की बात यह रही कि दमकल के पहुंचने से पहले ही अस्पताल के सजग स्टाफ ने आग की लपटों को काफी हद तक दबा दिया था। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. विवेकचरण दुबे ने बताया कि शुरुआती मुआयने और जांच में यह सामने आया है कि ऑफिस में लगे सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर बॉक्स में संभवतः शॉर्ट सर्किट हुआ था।

ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने छेड़का पहुंचे कलेक्टर श्री मिश्रा, अधिकारियों सहित किया रात्रि विश्राम

नर्मदापुरम (निप्र)। शुक्रवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने प्रशासन आपके द्वारा अभियान के अंतर्गत सोहागपुर के पर्यटक ग्राम छेड़का में रात्रि विश्राम किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस थोटा, डीएफओ गौरव शर्मा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने भी ग्राम छेड़का में ग्रामीण पर्यटन विकास को दृष्टिगत रखते हुए तैयार किए गए होम-स्टे में रात्रि विश्राम किया। रात्रि विश्राम के दौरान अधिकारियों ने स्टार गेजिंग गतिविधि में सहभागिता करते हुए टेलीस्कोप के माध्यम से चंद्रमा एवं अन्य खगोलीय पिंडों का अवलोकन किया। इस अवसर पर प्रकृति एवं खगोल विज्ञान से संबंधित रोचक जानकारियों पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर सोमेश मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों ने सप्त ऋषि, शुक्र ग्रह जिसे 'सुबह का तारा' या 'शाम का तारा' कहा जाता है, सहित अन्य खगोलीय संरचनाओं को टेलीस्कोप के माध्यम से देखा। आसमान में दिखाई देने वाली खगोलीय घटनाओं एवं प्राकृतिक गतिविधियों को देखकर सभी अधिकारी रोमांचित हुए।

चर्च मैदान पर ब्लाक स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता, निशुल्क प्रशिक्षण शिविर

सीहोर क्लब ने आरएसआई को 3-1 से हराया

सीहोर (निप्र)। शहर के चर्च मैदान जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में खेली जा रही ब्लाक स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता में शनिवार की शाम को एक मैच खेला गया, इस मुकाबले में सीहोर क्लब ने आरएसआई को 3-1 से हराया। इसके अलावा निशुल्क फुटबाल प्रशिक्षण शिविर के दौरान सचिव मनोज कन्नोजिया, मनोज अहिरवार, आनंद उपाध्याय आदि ने खिलाड़ियों को उत्साहवर्धन किया। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि शनिवार की शाम को खेले गए मुकाबले में सीहोर क्लब की टीम ने आरएसआई को 3-1 से हराया। इस मैच में सीहोर क्लब की ओर से युवराज, आदित्य, पुष्प ने 1-1 गोल किया। वहीं एक मात्र गोल आरएसआई की ओर से ध्रुव ने किया।

प्रशासन आपके द्वारा अभियान के तहत अधिकारियों ने किया ग्राम भ्रमण

पर्यटन ग्राम छेड़का में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने अधिकारियों सहित खेला पारंपरिक खेल गिल्ली-डंडा

बैलगाड़ी की सवारी कर लिया ग्रामीण संस्कृति का अनुभव

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रशासन आपके द्वारा अभियान के अंतर्गत पर्यटक ग्राम छेड़का में रात्रि विश्राम के उपरांत शनिवार सुबह ग्राम भ्रमण (विलेज ट्रांजिट वॉक) कर ग्रामीणों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने पारंपरिक ग्रामीण खेल गिल्ली-डंडा खेलकर अपने बचपन की यादें ताजा कीं। होम-स्टे परिसर में गिल्ली-डंडा खेलते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बताया कि बचपन में उनके द्वारा भी इसी प्रकार के पारंपरिक खेल खेले जाते थे। उन्होंने कहा कि पारंपरिक खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कलेक्टर श्री मिश्रा के साथ पुलिस अधीक्षक श्री साई कृष्ण एस थोटा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, डीएफओ, उपसंचालक कृषि, जनपद पंचायत सोहागपुर सीईओ प्रबल अर्जरिया सहित अन्य उपस्थित अधिकारियों ने भी गिल्ली-डंडा खेल में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने हाथ आजमाए। ग्रामवासियों ने भी इस गतिविधि में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर अधिकारियों ने बैलगाड़ी की सवारी कर ग्रामीण जीवन की सहजता एवं सांस्कृतिक विरासत का अनुभव किया। ग्राम भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने गांव के प्राकृतिक परिवेश, स्थानीय संस्कृति एवं ग्रामीण जीवन शैली को करीब से जाना। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने ग्रामीण पर्यटन को आत्मनिर्भर गांवों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए नागरिकों से विलेज टूरिज्म को बढ़ावा देने एवं स्थानीय पर्यटन गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण पर्यटन से स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक जीवन शैली और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल रही है। कलेक्टर ने पर्यटन स्थलों एवं प्राकृतिक क्षेत्रों को स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने का संदेश देते हुए कहा कि प्रकृति संरक्षण और स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी निभाना आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी प्राकृतिक सौंदर्य एवं ग्रामीण संस्कृति का अनुभव कर सकें।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com